▪ RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 246 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 04-04-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 कांग्रेस ने घुसपैठियों के लिए काम किया : नितिन नवीन

6 बंगाल में बढ़ती अराजकता : लोकतंत्र के लिए चुनौती

7 सीखने से शुरू हुआ सफर अब जिंदगी का अहम हिस्सा बन गया : अमिताभ बच्चन

फर्स्ट टेक

नेपाल में करोड़ों रुपए के क्रिप्टोकरेंसी घोटाले में चीन का नागरिक गिरफ्तार

काठमांडू/भाषा। नेपाल के काठमांडू में क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से लोगों से करोड़ों रुपए ठगने के आरोप में चीन के एक नागरिक को गिरफ्तार किया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। काठमांडू जिला पुलिस सर्कल के प्रवक्ता पवन कुमार भट्टाराई ने बताया कि पुलिस के एक दल ने 35 वर्षीय झू यी इंग को बृहस्पतिवार को राजधानी के थमेल इलाके से गिरफ्तार किया। भट्टाराई ने बताया कि आरोपी के पास से 17.99 करोड़ नेपाली रुपए मूल्य के क्रिप्टोकरेंसी लेन-देन से संबंधित विवरण बरामद किए गए। पुलिस ने भट्टाराई के पास से तीन मोबाइल और कई दस्तावेज़ बरामद किए, जिनमें अवैध लेन-देन में इस्तेमाल किए गए कागजात भी शामिल थे। प्रारंभिक जांच में पता चला कि झू स्थानीय नेपाली लोगों से सोशल मीडिया मंच के जरिए संपर्क कर उन्हें लुभाता था और उनका विश्वास हासिल कर उन्हें ठगता था।

म्यांमार की संसद ने मौजूदा जनरल को राष्ट्रपति चुना

बैंकॉक/एपी। म्यांमार की संसद ने शुक्रवार को मिन आंग ह्लाइंग को देश का नया राष्ट्रपति चुन लिया जो सेना के जनरल रह चुके हैं। ह्लाइंग ने 2021 में आंग सान सू ची की असैन्य सरकार को सत्ता से बेदखल कर दिया था और पिछले पांच वर्षों से सत्ता पर अपना कड़ा नियंत्रण बनाए रखा। यह कदम औपचारिक रूप से निर्वाचित सरकार की वापसी को दर्शाता है। हालांकि व्यापक रूप से इसे सेना द्वारा आयोजित चुनाव के बाद सत्ता में बने रहने के उसके प्रयास के रूप में देखा जा रहा है क्योंकि विरोधियों और स्वतंत्र पर्यवेक्षकों ने इस चुनाव को न तो स्वतंत्र और न ही निष्पक्ष माना है।

उत्तर भारत के कई हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली, जम्मू कश्मीर, पंजाब और हरियाणा सहित उत्तर भारत में कई स्थानों पर शुक्रवार रात करीब 9:45 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटके कुछ सेकंड तक महसूस किए गए। भूकंप के कारण किसी प्रकार के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। जम्मू-कश्मीर के एक अधिकारी ने बताया कि भूकंप की तीव्रता 5.9 थी। उन्होंने बताया कि भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान में 36.398 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 70.878 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था। उन्होंने बताया कि भूकंप की गहराई 150 किलोमीटर थी। चंडीगढ़ निवासी बलदेव चंद ने बताया, मुझे कुछ सेकंड तक तेज झटके महसूस हुए।''

गुड फ्राइडे

शुक्रवार को गुड फ्राइडे के अवसर पर जेसी रोड स्थित सेंट टेरेसा चर्च में आयोजित विशेष प्रार्थना सभा और 'वे ऑफ द क्रॉस' जुलूस में श्रद्धालु भाग लेते हुए।

एक मजबूत और सक्षम नौसेना देश के लिए आवश्यकता है : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विशाखापत्तनम/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि ऊर्जा आपूर्ति समेत देश का 95 प्रतिशत व्यापार समुद्री मार्ग से होता है और ऐसे में उभरते समुद्री खतरों के बीच वाणिज्यिक जहाजों और तेल टैंकरों की सुरक्षा में भारतीय नौसेना की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

यहां 'आईएनएस तारागिरी' के जलावतरण समारोह को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय नौसेना हिंद महासागर में लगातार अपनी उपस्थिति बनाए रखती है, चाहे वह फारस की खाड़ी हो या मलक्का जलडमरूमध्य। उन्होंने कहा, ''जब भी कोई संकट आता है, चाहे वह लोगों को निकालने का अभियान हो या मानवीय सहायता पहुँचाना, हमारी नौसेना हमेशा सबसे आगे रहती है। मुझे लगता है कि हमारी नौसेना भारत के मूल्यों और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। मेरा मानना है कि आईएनएस तारागिरी के सेवा में शामिल होने से हमारी नौसेना की शक्ति, मूल्यों एवं प्रतिबद्धता में और भी वृद्धि होगी।''

■ भारतीय वाणिज्यिक पोतों, तेल टैंकरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में नौसेना की भूमिका अहम

युद्धपोत तारागिरी नौसेना के बेड़े में शामिल

विशाखापत्तनम/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि ऊर्जा आपूर्ति समेत देश का 95 प्रतिशत व्यापार समुद्री मार्ग से होता है और ऐसे में उभरते समुद्री खतरों के बीच वाणिज्यिक जहाजों और तेल टैंकरों की सुरक्षा में भारतीय नौसेना की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। 'प्रोजेक्ट 17ए' के तहत निर्मित आईएनएस तारागिरी चौथा पोत है जिसका वजन 6,670 टन है। इसे मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड, मुंबई द्वारा बनाया गया है, जो उन्नत डिजाइन और इंजीनियरिंग उत्कृष्टता को प्रदर्शित करता है। यह अन्य हथियारों के साथ-साथ ब्रह्मोस मिसाइलें से भी लैस है।

भारत की नई परमाणु-चालित पनडुब्बी 'आईएनएस अरिदमन' सेवा में शामिल की गई

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने स्वदेशी रूप से निर्मित अपनी नई परमाणु-चालित बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी 'आईएनएस अरिदमन' को शुक्रवार को सेवा में शामिल कर लिया, जिससे देश के 'परमाणु त्रय' के नौसैन्य घटक को और मजबूती मिली है। विश्वसनीय सूत्रों ने यह जानकारी दी। भारत का परमाणु-चालित बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी (एसएसबीएन) कार्यक्रम एक अत्यंत गोपनीय परियोजना है। 'आईएनएस अरिहंत' एसएसबीएन परियोजना के तहत पहली पनडुब्बी थी, जिसके बाद दूसरी पनडुब्बी 'आईएनएस अरिघात' आई। भारत उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल है, जिनके पास परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियां हैं। जिन देशों के पास ऐसी क्षमताएं हैं, उनमें अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस और चीन शामिल हैं।

खलनायकों का महिमामंडन पीढ़ियों के लिए खराब : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सिनेमा जगत के निर्माताओं और कलाकारों से फिल्मों में सकारात्मक और आदर्श चरित्रों को प्रमुखता देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि खलनायकों को नायक के रूप में प्रस्तुत करने की प्रवृत्ति ने समाज और पीढ़ियों पर नकारात्मक प्रभाव डाला है।

वाराणसी में सम्राट विक्रमादित्य के जीवन पर आधारित एक भव्य नाट्य प्रस्तुति के दौरान शुक्रवार को आदित्यनाथ ने कहा कि यह प्रस्तुति केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को मूल्यों और आदर्शों से जोड़ने का एक प्रयास है। उन्होंने कहा, एक समय ऐसा था जब फिल्मों में अच्छे पात्रों को खलनायक और खलनायकों को नायक के रूप में दिखाने की प्रवृत्ति बढ़ी। इसका परिणाम यह हुआ कि पीढ़ियां प्रभावित हुईं और समाज में आदर्शों का अभाव देखने को मिला।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब समाज के सामने सही आदर्श प्रस्तुत नहीं किए जाते, तो अन्याय, अत्याचार और शोषण के खिलाफ लोगों की आवाज कमजोर पड़ जाती है। उन्होंने फिल्म निर्माताओं, निर्देशकों और कलाकारों से अपील करते हुए कहा, ऐसी फिल्में बननी चाहिए जो राष्ट्र के लिए प्रेरणा बनें। यदि किसी डकैत को नायक के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा, तो युवा पीढ़ी उसे ही अपना आदर्श मानने लगेगी। इसलिए कभी भी डकैतों का महिमामंडन न करें।

पीओके को बहुत जल्द भारत में मिला लिया जाएगा : इलयासी

श्रीनगर/भाषा। ऑल इंडिया मुस्लिम ऑर्गनाइजेशन के मुख्य इमाम उमर अहमद इलयासी ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को बहुत जल्द भारत में मिला लिया जाएगा। इलयासी ने यहां पत्रकारों से कहा, मैं यहां कश्मीर में खड़े होकर अपने पड़ोसी देश से कहना चाहता हूं कि भारत का अभिन्न अंग पीओके निश्चित रूप से भारत में मिला लिया जाएगा क्योंकि पीओके के लोग वहां जनमत संग्रह चाहते हैं। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में हुए विकास और समृद्धि का जिक्र करते हुए दावा किया कि पीओके के निवासी भारत के साथ विलय के लिए बेताब हैं। इलयासी ने कहा, अल्लाह ने चाहा तो घर वापसी की उनकी इच्छा पूरी होगी। वहां ऐसे लोग हैं, जो ऐसा चाहते हैं। वे कश्मीर का विकास देखकर खुश हैं। यह देखते हुए कि कश्मीर आज किस तरह तरक्की कर रहा है, पीओके बहुत जल्द भारत में मिल जाएगा।

चंद्रमा की ओर रवाना हुआ आर्टेमिस-2

आर्टेमिस-2 के अंतरिक्ष यात्रियों ने पृथ्वी की शानदार तस्वीर ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

केप केनवरल (अमेरिका)/एपी। चंद्रमा की ओर जा रहे आर्टेमिस-2 के अंतरिक्ष यात्रियों ने पृथ्वी की शानदार तस्वीरें ली हैं। नासा ने शुक्रवार को ये तस्वीरें जारी कीं। ये 50 साल से ज्यादा समय में अंतरिक्ष यात्रियों द्वारा ली गईं चंद्रमा की पहली तस्वीरें हैं।

कमांडर रीड वाइज़मैन द्वारा ली गई पहली तस्वीर में कैप्सूल की एक खिड़की से पृथ्वी का एक घुमावदार हिस्सा दिखाई देता है। दूसरी तस्वीर में पूरी पृथ्वी दिखाई देती है, जिसमें महासागरों के ऊपर बादलों की सफ़ेद, घुमावदार लकीरें छाई हुई हैं।

शुक्रवार की सुबह तक, वाइज़मैन और उनकी टीम पृथ्वी से 90,000 मील (1,45,000 किलोमीटर) दूर थी और वे तेज़ी से चाँद की ओर बढ़ रहे थे। उन्हें अभी 1,68,000 मील (2,70,000 किलोमीटर) का सफ़र और तय करना है। उनके सोमवार तक अपने गंतव्य पर पहुँचने की उम्मीद है।

'महाकाल मानक समय' लागू करने का वक्त : धर्मेंद्र प्रधान

उज्जैन 'समय गणना का मूल केंद्र',

उज्जैन (मप्र)/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को कहा कि 'ग्रीनविच मीन टाइम' (जीएमटी) के स्थान पर 'महाकाल मानक समय' (एमएसटी) स्थापित करने का समय आ गया है, क्योंकि मध्यप्रदेश का उज्जैन ''समय गणना का मूल केंद्र'' रहा है।

प्रधान ने तीन दिवसीय 'महाकाल : द मास्टर ऑफ टाइम अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन' के उद्घाटन अवसर पर कहा कि उज्जैन, काशी, कांची और पुरी धाम जैसे भारत के प्रमुख आध्यात्मिक केंद्र ''जीवंत प्रयोगशालाएं'' हैं, जहां विज्ञान, कला, संस्कृति, साहित्य और अध्यात्म का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है। उन्होंने कहा, ''उज्जैन वह स्थान है जहां भूमध्य रेखा और कर्क रेखा का संगम होता है तथा प्राचीन काल में विश्व की समय गणना यहीं से की जाती थी। इसलिए अब तार्किक रूप से 'ग्रीनविच मीन टाइम' के स्थान पर 'महाकाल मानक समय' स्थापित करने का समय आ गया है। आधुनिक एआई उपकरण भी यह मानते हैं कि समय गणना का मूल केंद्र उज्जैन के आसपास का क्षेत्र रहा है।'' उन्होंने कहा कि भारत के वैज्ञानिक गौरव को वैश्विक स्तर पर पुनर्स्थापित करने की आवश्यकता है और इस दिशा में उज्जैन के विज्ञान केंद्र एवं तारामंडल को मजबूत करना एक महत्वपूर्ण कदम है।

सूर्यास्त 04-04-2026 6:20 बजे	सूर्योदय 05-04-2026 6:02 बजे
BSE 73,319.55 (+185.23)	NSE 22,713.10 (+33.70)
सोना 15,541 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 241,000 रु. प्रति किलो

ईरान ने समूचे पश्चिम एशिया में लक्ष्यों पर हमले किए

इजराइल-अमेरिका ने तेहरान को निशाना बनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/एपी। ईरान ने शुक्रवार को समूचे पश्चिम एशिया में कई ठिकानों पर हमले किए, जिससे कुवैत में समुद्री पानी को पेयजल में बदलने वाला एक विलवणीकरण संयंत्र क्षतिग्रस्त हो गया और एक रिफाइनरी में आग लग गई। वहीं, अमेरिका और इजराइल ने हवाई हमले कर तेहरान को निशाना बनाया। इस युद्ध को शुरू हुए लगभग पांच सप्ताह हो गए हैं।

अमेरिका और इजराइल ने कहा था कि ईरान की सैन्य क्षमताएं लगभग पूरी तरह नष्ट हो चुकी हैं, लेकिन इसके बावजूद तेहरान ने इजराइल और अपने खाड़ी अरब पड़ोसियों पर दबाव बनाए रखा है।

इस बात के संकेत के तौर पर कि ईरान की धर्म-आधारित शासन व्यवस्था का एक हिस्सा बातचीत के लिए तैयार हो सकता है, देश के पूर्व शीर्ष राजनयिक ने एक प्रभावशाली अमेरिकी पत्रिका में संघर्ष को समाप्त करने का एक प्रस्ताव प्रकाशित किया है।

खाड़ी क्षेत्र के ऊर्जा ढांचे पर ईरान के हमलों और होर्मुज जलडमरूमध्य पर उसकी मजबूत पकड़ ने शेयर बाज़ारों में उथल-पुथल मचा दी है, तेल की कीमतों को आसमान पर पहुंचा दिया है, और भोजन सहित कई बुनियादी चीज़ों की कीमतें बढ़ने का खतरा पैदा कर दिया है।

होर्मुज जलडमरूमध्य इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि शांतिकाल में दुनिया के तेल और प्राकृतिक गैस परिवहन का पांचवां हिस्सा इसी समुद्री मार्ग से होकर गुजरता है।

ईरान ने शुक्रवार को कुवैत की मीना अल-अहमदी तेल रिफाइनरी पर ड्रोन से हमले किए, जिससे वहां आग लग गई।

■ ईरान के पूर्व विदेश मंत्री मोहम्मद जवाद ज़रीफ़ ने शुक्रवार को लिखा कि अब दोनों पक्षों की तकलीफ़ों को खत्म करने का समय आ गया है।

ईरान में गिरे अमेरिकी लड़ाकू विमान के चालक दल के एक सदस्य को बचाया गया : सूत्र

दुबई/एपी। ईरान में एक अमेरिकी विमान के गिरने के बाद चालक दल के एक सदस्य को बचा लिया गया है। अमेरिकी एवं इजराइली अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस घटनाक्रम से अवगत तीन अधिकारियों ने अपनी पहचान गोपनीय रखे जाने की शर्त पर बताया कि यह बचाव ऐसे समय हुआ जब अमेरिकी सेना तलाश एवं बचाव अभियान चला रही थी। इजराइल इस तलाश एवं बचाव अभियान में अमेरिका की मदद कर रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने एक बयान जारी कर कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को इस घटनाक्रम के बारे में जानकारी दे दी गई है, लेकिन उन्होंने इससे अधिक कोई और ब्यौरा नहीं दिया।

एफसीआरए संशोधन से चिंतित होने की जरूरत नहीं : रीजीजू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने ईसा मसीह को सलीब पर चढ़ाए जाने की स्मृति में मनाए जाने वाले गुड फ्राइडे के अवसर पर ईसाई समुदाय से संपर्क साधते हुए कहा कि प्रस्तावित एफसीआरए संशोधनों को लेकर समुदाय को चिंतित होने की जरूरत नहीं है। रीजीजू नौ अप्रैल को केरल की 140 सदस्यीय विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार कर रहे हैं।

केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री ने आश्वासन दिया कि अल्पसंख्यक समुदायों, विशेष रूप से ईसाई मिशनरियों को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार उनके हितों की रक्षा करेगी और जहां भी संभव हो सहायता प्रदान करेगी।

रीजीजू ने दावा किया कि केरल में वामपंथी दल और कांग्रेस विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम में प्रस्तावित संशोधनों के संबंध में अफवाहें फैला रहे हैं और गैर सरकारी संगठनों, विशेष रूप से जनता के कल्याण के लिए काम करने वाले संगठनों को गुमराह कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री का यह बयान चुनाव वाले केरल में विभिन्न ईसाई गिरिजाघरों और पादरियों द्वारा प्रस्तावित एफसीआरए संशोधनों के विरोध के बीच आया है। उन्होंने कहा कि केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)सरकार केवल ''अवैध और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के लिए धन के अवैध प्रवाह पर रोकने' के लिए अधिनियम के प्रावधानों में 'सुधार' करने की कोशिश कर रही है।

रीजीजू ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो संदेश में कहा, ''हमें यह जानकर बहुत दुख हुआ कि कांग्रेस और वामपंथी दल केरल में झूठ फैला रहे हैं और भोले-भाले लोगों को गुमराह कर रहे हैं। मैं आश्वस्त करना चाहता हूं कि किसी भी निर्दोष व्यक्ति या वैध संगठन को गलत तरीके से निशाना नहीं बनाया जाएगा।''

'धुरंधर: द रिवेंज' ने वैश्विक स्तर पर 1,500 करोड़ रुपए की कमाई की

मुंबई/भाषा। अभिनेता रणवीर सिंह अभिनीत फिल्म 'धुरंधर: द रिवेंज' ने रिलीज के महज दो सप्ताह के भीतर वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर 1,500 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई कर ली है। निर्माताओं ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। आदित्य धर के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने विश्वभर में 1,501 करोड़ रुपए का कारोबार किया है, जिससे रिलीज के 15 दिनों के भीतर ही यह अब तक की सबसे अधिक कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई है। इसे जियो स्टूडियोज तथा बी62 स्टूडियोज द्वारा निर्मित किया गया है। फिल्म ने हिंदी सिनेमा की शुरुआती स्तर पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म के साथ-साथ पहले और दूसरे सप्ताह में सर्वाधिक कारोबार करने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया है। इसके अलावा, वैश्विक स्तर पर फिल्म ने शुरुआती सप्ताहांत में सर्वाधिक कमाई करने और सबसे तेजी से 1,000 करोड़ रुपए के आंकड़े तक पहुंचने में भी सफलता हासिल की है।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

डिबेटिए एंकर

चैनल पर पैनल वालों से,
एंकर की भाषा तू तड़ाक।
किससे सुनना या ना सुनना,
इस पर वे रहते हैं अड़ाक।
पूर्वाग्रह रखते मुद्दे पर,
भाषा संभाषण में भड़ाक।
उनके मत से यदि हुए भिन्न,
बन जाते वे तगड़े लड़ाक।।

'मेमोरी मैजिक: ट्रेन योर ब्रेन फॉर सक्सेस' विषयक कार्यशाला का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जय पार्श्व पद्मोदय जैन इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन की ओर से जेपीपी जैन महिला फाउंडेशन हलसूर के तत्वावधान में हलसूर जैन भवन में चल रहे पांच दिवसीय जयमल जैन संस्कार शिविर के तीसरे दिन शुक्रवार को जैन समणी डॉ. सुयशनिधि जी एवं सुयोगनिधि जी के सान्निध्य में बच्चों एवं किशोरों के लिए 'मेमोरी मैजिक ट्रेन योर ब्रेन फॉर सक्सेस विषय पर एक प्रेरणादायक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस सत्र का संचालन प्रख्यात आध्यात्मिक मार्गदर्शिका जैन समणी डॉ. सुयशनिधि जी ने किया। जैन समणी डॉ. सुयशनिधिजी ने सरल एवं रोचक शैली में बच्चों को स्मरण शक्ति, एकाग्रता एवं मस्तिष्क की कार्यप्रणाली के बारे में बताया। उन्होंने समझाया कि मानव मस्तिष्क एक अद्भुत शक्ति का भंडार है, जिसे सही अभ्यास, ध्यान और सकारात्मक सोच के माध्यम से विकसित किया जा सकता है। कार्यक्रम में इंटरैक्टिव गतिविधियों एवं गेम्स के माध्यम से बच्चों को यह सिखाया गया कि कैसे वे अध्ययन के दौरान फोकस बनाए रखें और जानकारी को लंबे समय तक याद रख सकें्। समणीजी ने कहा कि निरंतर अभ्यास, विज़ुअलाइज़ेशन तकनीक एवं ध्यान द्वारा स्मरण शक्ति को कई गुना बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने बच्चों को प्रतिदिन कुछ मिनट ध्यान करने तथा एकाग्रता बढ़ाने के सरल उपाय भी बताए्। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को मेमोरी चैंपियन बनने का संकल्प दिलाया गया। आयोजकों ने भविष्य में भी इस प्रकार के शिक्षाप्रद एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की।

असली अमीरी बैंक बैलेंस में नहीं, बल्कि स्वस्थ शरीर में छिपी है : साध्वीश्री संयमलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बन्नरघट्टा रोड स्थित एक श्रावक के निवास पर शुक्रवार को साध्वीश्री संयमलता जी के सान्निध्य में 'हेल्थ इस वेल्थ' विषयक कार्यशाला का आयोजन हुआ्। साध्वीश्री संयमलताजी ने कहा कि मानव धन, दौलत एवं सफलता के पीछे इतना व्यस्त हो जाता है कि वह शरीर को भी भूल जाता है। जिसके दम पर हम सब यह हासिल करना चाहते है, हम उसे अर्थात शरीर को ही भूल जाते हैं्।

साध्वीश्री ने कहा कि दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति के पास यदि बिस्तर से उठने की ताकत नहीं है तो उसके पास तिजोरियों में बंद करोड़ों रुपए मिट्टी के समान है। असली अमीरी बैंक बैलेंस में नहीं,बल्कि सांसों की शांति, दिल की धड़कन और शरीर की ऊर्जा में छिपी है। इसलिए कहा भी है कि पहला सुख निरोगी काया,दूसरा सुख घर में माया।

साध्वी मार्दवश्रीजी कहा कि स्वास्थ्य हमारी एक मात्र परमानेंट संपत्ति है,बाकी सब गाड़ी, पैसा, घर बदला जा सकता है पर स्वास्थ को कभी छोड़ा नहीं जा सकता। यदि बीमारी आती है तो आपकी मेहनत से कमाई गर्ई सफलता, सम्पति का स्वाद आपके बदले डॉक्टर ही ले लेगा, अतः आप स्वास्थ्य की बैलेंसशीट मजबूत बनाए्।

अमरावती में विधायक के भाई की हत्या की साजिश के आरोप में पूर्व मंत्री बच्चू कडू पर मामला दर्ज

अमरावती/भाषा। महाराष्ट्र के अमरावती जिले में राज्य के पूर्व मंत्री ओमप्रकाश उर्फ बच्चू कडू के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक विधायक के भाई की हत्या की साजिश रचने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि अचलपुर क्षेत्र से विधायक रह चुके कडू के खिलाफ यह मामला चांदुर बाजार थाने में दर्ज किया गया है। वर्तमान में भाजपा के प्रवीण तायडे इस क्षेत्र के विधायक हैं।

कडू 2019 से 2022 तक उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास आघाडी (एमवीए) सरकार में राज्य मंत्री थे। विधायक तायडे के भाई अभिजीत (40) द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, पूर्व मंत्री बच्चू कडू और शुभम उर्फ गोलू महुरे ने सड़क दुर्घटना के माध्यम से उनकी हत्या करने की साजिश रची थी।

पुलिस अधिकारी ने बताया, शिकायतकर्ता ने एक 'पेन ड्राइव' सौंपी है जिसमें कथित साजिश से जुड़ी 'ऑडियो रिकॉर्डिंग' होने का दावा किया गया है। इसे फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है।

तेलंगाना के मुलुगु जिले में प्रागैतिहासिक कब्रिस्तान मिले

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना सरकार के विरासत विभाग की एक टीम ने एक महत्वपूर्ण खोज में मुलुगु जिले में पाषाणकालीन कब्रों के एक संकुल का पता लगाया है। इसे भारत में डोल्मेन (बड़े-बड़े पत्थरों से बने प्राचीन कब्र) पद्धति से बनाई गई कब्रों के सबसे बड़े समूहों में से एक माना जा रहा है।

मुलुगु जिले के मोतलागुडेम गांव के निवासियों द्वारा दी गई जानकारी और विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन के निर्देशों के आधार पर, एक तकनीकी टीम ने गांव का दौरा किया। यहां बृहस्पतिवार को जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक, हैदराबाद से 230 किलोमीटर दूर स्थित प्रागैतिहासिक कब्रें मुलुगु जिले के मोटलागुडेम गांव और उसके आसपास के इलाकों में पाई गईं। इन्हें स्थानीय रूप से 'राकासी बंदलु' (विशाल पत्थर) और 'राकासी गुहालु' (विशाल गुफाएं) कहा जाता है। विज्ञप्ति के मुताबिक, हाल ही में पहचाने गए ये स्थल (गोदावरी नदी बेसिन में) न केवल इस क्षेत्र में प्रारंभिक मनुष्यों की उपस्थिति की पुष्टि करते हैं, बल्कि उनकी जीवनशैली, रीति-रिवाजों, व्यवसायों और सामाजिक संरचनाओं को दर्शाने वाले मूल्यवान ऐतिहासिक साक्ष्य भी प्रस्तुत करते हैं। बयान में कहा गया कि जिले के एतुरनागरम अधिसूचित क्षेत्र में दमरावई, रंगपुरम और मंगापेट मंडल के मल्लूर गुट्टा, मोटलागुडेम, चेट्टुपल्ली तथा गुंडाला जैसे क्षेत्र शामिल हैं, जहां ऐसे सैकड़ों कब्रों की पहचान की गई है। कप्पलाई गुट्टा में पाई गईं कब्रें प्राचीन मनुष्यों के उल्लेखनीय कौशल और शिल्पकला को प्रदर्शित करते हैं।

डोल्मेन कब्रें खुरदुरे ढंग से तराशे गए बलुआ पत्थर की शिलाओं से निर्मित की जाती थीं, जो चार से 25 मीटर तक के क्षेत्रों में फैली होती हैं। प्रत्येक संरचना में चार बड़ी खड़ी पत्थर की शिलाएं होती हैं, जिनके ऊपर एक विशाल शीर्षशिला रखी होती है। विज्ञप्ति के मुताबिक, प्रत्येक कब्र के अंदर, एक छोटा पत्थर ताबूत सरीखा होता है। इसके अतिरिक्त, एक कोने में खाली जगह छोड़ी जाती थी, और पूरी संरचना लगभग 10 फुट त्रिज्या वाली एक गोलाकार पत्थर की चारदीवारी से घिरी हुई होती है।

'जन विश्वास' विधेयक से व्यवसायों पर अनुपालन का बोझ कम होगा : उद्योग जगत

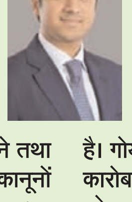

नई दिल्ली/भाषा। उद्योग संगठनों ने संसद में जन विश्वास (प्रावधानों का संशोधन) विधेयक, 2026 पारित होने का शुक्रवार को स्वागत करते हुए कहा कि यह व्यवसायों पर अनुपालन के बोझ को काफी कम कर देगा, विवाद निपटान में तेजी लाएगा और निवेशकों के भरोसे को मजबूत करने में मदद करेगा।

संसद ने कारोबारी माहौल को बेहतर बनाने तथा लोगों के उत्पीड़न को रोकने के लिए 79 केंद्रीय कानूनों के 784 प्रावधानों में संशोधन करने और लगभग 1,000 छोटे अपराधों को फौजदारी की श्रेणी से बाहर करने के लिए बृहस्पतिवार को 'जन विश्वास (प्रावधानों का संशोधन) विधेयक, 2026' पारित किया। उद्योग मंडल फिक्की के अध्यक्ष अनंत गोयनका ने कहा, एक हजार से अधिक अपराधों को गैर-आपराधिक बनाकर और दंड को संतुलित करके यह सुधार नियमों में अधिक स्पष्टता, भरोसेमंद व्यवस्था और संतुलन लाता है। गोयनका ने कहा कि इस विधेयक के लागू होने से कारोबार करना आसान होगा, नए उद्यम और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा और भारत की वैश्विक निवेश स्थल के रूप में स्थिति और मजबूत होगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने पुडुचेरी में रोड शो किया, राजग को वोट देने की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को यहां एक भव्य रोड शो करते हुए नौ अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव में एआईएनआरसी-भाजपा गठबंधन को वोट देने की अपील की।

प्रधानमंत्री ने एआईएनआरसी के संस्थापक नेता और मुख्यमंत्री एन. रंगासामी और भाजपा नेता व गृह मंत्री ए. नमसिवायम के साथ अजंता सिग्नल पॉइंट से दो किलोमीटर से कम दूरी पर स्थित कामराजर स्टैच्यू/राजा थिएटर सिग्नल तक रोडशो किया। पूरा कार्यक्रम लगभग एक घंटे तक चला। रोड शो के लिए प्रधानमंत्री के पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने 'भारत माता की जय' और 'जय श्री राम' के नारे लगाकर मोदी का जोरदार स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने अपना खुला वाहन धीरे-धीरे आगे बढ़ने पर लोगों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। इस दौरान लोगों ने उनके वाहन पर फूल बरसाए। शहर के विभिन्न हिस्सों विशेषकर रोड शो के प्रमुख बिंदु एसवी पटेल रोड और समाप्ति स्थल अन्नासलाईकामराजर सलाई जंक्शन तक भाजपा-एआईएनआरसी के झंडे लहराते रहे। प्रधानमंत्री के दौरे को देखते हुए पुलिस ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की थी। सांस्कृतिक कार्यक्रम और पारंपरिक नृत्य प्रस्तुतियों ने पुडुचेरी में प्रधानमंत्री के रोड शो को रंगारंग और उत्साहपूर्ण बना दिया।

इससे पहले, प्रधानमंत्री का स्वागत करने के लिए बड़ी संख्या में उनके समर्थक जुटे।

वाईएसआरसीपी को छोड़कर पूरे देश ने अमरावती को राजधानी बनाने का समर्थन किया : नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

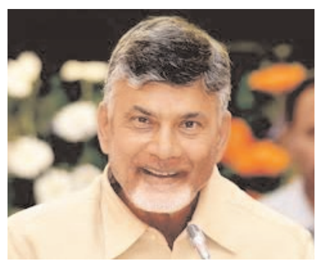

अमरावती/भाषा। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को कहा कि विपक्षी वाईएसआरसीपी द्वारा कथित तौर पर रची गई साजिशों के बावजूद, आंध्र प्रदेश की राजधानी के रूप में अमरावती के दर्जे को पूरे देश से सर्वसम्मत समर्थन मिला है।

नायडू ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार की मुहर लगने के बाद भविष्य में कोई भी राजधानी शहर की स्थिति को बदल नहीं सकता। उन्होंने कहा, वे (वाईएसआर कांग्रेस) अमरावती को नष्ट करना चाहते थे, लेकिन हमने कानून बनाया। आज पूरा देश अमरावती के साथ खड़ा है। तमाम साजिशों से पार पाते हुए अमरावती विजयी हुई है। आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2026 को हाल ही में संसद ने पारित किया। इसके तहत अमरावती को दक्षिणी राज्य की राजधानी बनाया गया है। उन्होंने दावा किया कि अमरावती परियोजना का विरोध करते हुए विश्व बैंक को पत्र लिखे गए थे और परियोजना के खिलाफ झूठी बातें फैलाई गई थीं, जिनमें इसकी व्यवहार्यता और सुरक्षा के बारे में दावे भी शामिल थे। उन्होंने आरोप लगाया कि इस तरह की कार्रवाइयां राजधानी को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से की गई थीं और कहा कि इसी तरह के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार की मुहर की मदद से पांच करोड़ लोगों के सपने साकार हुए हैं। भविष्य में कोई भी इसमें कुछ भी बदलाव नहीं कर पाएगा। नायडू ने कहा कि लोकसभा और राज्यसभा दोनों में 50 पार्टियां हैं। उन्होंने कहा, वैचारिक और व्यक्तिगत मतभेदों के बावजूद, और आंध्र प्रदेश की राजधानी से कोई सीधा संबंध न होने के बावजूद, उन सभी ने देश के हितों की रक्षा के लिए अमरावती विधेयक का समर्थन किया। नायडू ने विपक्षी दल पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि उसमें राष्ट्रीय हित की कोई समझ नहीं है और वह आंध्र प्रदेश की प्रगति को लेकर चिंतित नहीं है। उन्होंने संसद में 'अमरावती विधेयक' पारित होने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रति आभार व्यक्त किया।

तेलंगाना में अवैध रूप से जमा किए गए 3,700 एलपीजी सिलेंडर जब्त

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के नागरिक आपूर्ति विभाग ने 12 मार्च से अबतक अवैध रूप से जमा किए गए करीब 3,700 घरेलू रसोई गैस सिलेंडर जब्त किए हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि रसोई गैस के दुरुपयोग के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई है।

अधिकारियों के अनुसार, इस अभियान के दौरान बड़ी संख्या में छोटे सिलेंडर भी जब्त किए गए हैं।

विभाग के आयुक्त एम. स्टीफन रवींद्र ने मार्च में एलपीजी सिलेंडरों की जमाखोरी या कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी थी।

पश्चिम एशिया में जारी संकट की वजह से होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिये होने वाली ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हुई है। इसके मद्देनजर सरकार ने रसोई गैस की चोरी, जमाखोरी, अनधिकृत भंडारण या अवैध बिक्री में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है।

नवाचार से भारत का होगा विकास : प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार

कुरुक्षेत्र/भाषा। केंद्र सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार अजय कुमार सूद ने शुक्रवार को नवाचार पर आधारित विकास की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी को देश के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में 18वें गोयल पुरस्कार समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत एक परिवर्तनकारी चरण में प्रवेश कर रहा है, जहां अनुसंधान केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इससे सामाजिक चुनौतियों को हल करने में मदद मिलनी चाहिए। सूद ने कहा कि विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और वैश्विक चुनौतियों के अनुरूप अपना काम करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि शैक्षणिक संस्थान युवाओं की प्रतिभा के विकास और अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

राघव चडढ़ा दबाव में काम कर रहे थे : भगवंत मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शुक्रवार को पार्टी सहयोगी एवं राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा की आलोचना करते हुए कहा कि वह दबाव में काम कर रहे थे और उन्होंने आप आदमी पार्टी (आप) के रुख के विपरीत काम किया है। मान ने कहा कि अगर चड्ढा पश्चिम बंगाल में मतदाताओं के नाम हटाने जैसे मुद्दों पर बोलने को तैयार नहीं हैं, महत्वपूर्ण मुद्दों पर संसद से बहिर्गमन नहीं करते हैं या गुजरात में कई 'आप' कार्यकर्ताओं और नेताओं की गिरफ्तारी के खिलाफ आवाज नहीं उठाते हैं, तो यह पार्टी के रुख से अलग होना है।

मुख्यमंत्री यहां एक संवाददाता सम्मेलन में राघव चड्ढा के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब दे रहे थे। राज्यसभा सदस्य चड्ढा ने सदन में पार्टी के उपनेता पद से हटाए जाने के एक दिन बाद कहा कि '' मेरी खामोशी को मेरी हार नहीं समझ लेना।'' आप ने चड्ढा पर पलटवार करते हुए शुक्रवार को उन पर संसद में केंद्र के खिलाफ मुद्दे उठाने से कतराने और इसके बजाय ''अपने प्रचार-प्रसार के लिए काम करने'' का आरोप लगाया।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल नीत पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने चड्ढा की आलोचना करते हुए सवाल उठाया कि क्या ऐसा कोई व्यक्ति जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से ''डरता'' है, देश के लिए लड़ सकता है? मान से जब पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि चड्ढा ''दबाव में काम कर रहे थे,'' तो जवाब में उन्होंने कहा,'' हां''। मुख्यमंत्री ने कहा कि संसद में दलों द्वारा अपने नेताओं को बदलना कोई असामान्य बात नहीं है। राज्यसभा में पार्टी के उपनेता पद से चड्ढा को हटाए जाने के सवाल पर मान ने कहा,''जब मैंने पहली बार चुनाव जीता (2014 में संगरूर लोकसभा से), तो डॉ (धर्मवीर) गांधी (तत्कालीन आप सांसद, जो अब कांग्रेस में हैं) को पार्टी के संसदीय बोर्ड का नेता बनाया गया था। बाद में, मैंने भी इस पद पर कार्य किया। इसलिए, पार्टी इस तरह के फैसले लेती रहती है।''

मान ने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा, ''जब हम लोकसभा या राज्यसभा में विपक्ष के सदस्य के रूप में बैठते हैं, तो कई निर्णय सामूहिक रूप से लिए जाते हैं, जैसे कि सदन से बहिर्गमन का फैसला। लेकिन अगर कोई पार्टी की नीति से परे जाता है या निर्देश का पालन नहीं करता है, तो यह पार्टी व्हिप का उल्लंघन है।

भाजपा-कांग्रेस के शासन में जनता परेशान, बेहतर विकल्प देगी आप : जितेंद्र तोमर

भोपाल/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के मध्यप्रदेश प्रभारी जितेंद्र सिंह तोमर ने शुक्रवार को कहा कि राज्य की जनता भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस के शासन से परेशान है और उनकी पार्टी स्वच्छ एवं ईमानदार राजनीति के साथ बेहतर विकल्प देगी। तोमर ने राज्यसभा में पार्टी के उपनेता पद से राघव चड्ढा को हटाए जाने के मुद्दे को ''पार्टी का आंतरिक मामला'' बताया। आप ने बृहस्पतिवार को चड्ढा की जगह अशोक मित्तल को यह जिम्मेदारी सौंपी है, जिसको लेकर शीर्ष नेतृत्व में मतभेद की अटकलें लगाई जा रही हैं। उन्होंने कहा, ''पार्टी के आंतरिक मामलों पर बाहरी लोगों को टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। पार्टी अपनी आवश्यकता के अनुसार लोगों का उपयोग करती है।''

मध्यप्रदेश में पार्टी की योजनाओं के बारे में तोमर ने कहा कि पिछले कई वर्षों से राज्य की जनता कांग्रेस और भाजपा के शासन में परेशान है और आप स्वच्छ एवं ईमानदार राजनीति स्थापित कर बेहतर विकल्प देने का प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी राज्य विधानसभा की सभी 230 सीट पर पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ेगी।

'ईगल फोर्स' ने हैदराबाद में पब पर छापा मारा, मादक पदार्थों के सेवन के आरोप में सात लोग पकड़े

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना में 'ईगल फोर्स' ने हैदराबाद स्थित एक 'पब' पर छापेमारी के बाद मादक पदार्थों के सेवन के आरोप में सात लोगों को पकड़ा। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यहां जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, विश्वसनीय सूचना के आधार पर दो और तीन मार्च की दरमियानी रात 'एलीट एक्शन ग्रुप फॉर ड्रग लॉ एनफोर्समेंट' (ईगल) ने गचीबोवली थाने के कर्मचारियों के साथ समन्वय से कोंडापुर स्थित एक पब पर छापेमारी की और मादक पदार्थों का सेवन करने के आरोप में सात लोगों को पकड़ा। पब में अंतरराष्ट्रीय डीजे ''ब्लैक कॉफी'' के साथ एक विशेष पार्टी आयोजित किए जाने की सूचना मिलने के बाद ईगल ने छापेमारी के लिए छह टीम गठित की।

ईगल ने कहा कि उसने पब, होटल और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर मादक पदार्थों के अवैध उपयोग रोकने के लिए एक अभियान शुरू किया है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि कुल सात लोगों द्वारा अवैध रूप से मादक पदार्थों का सेवन करने की पुष्टि हुई है और उन्हें पुलिस के हवाले कर दिया गया है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि स्वापक औषधि एवं मन: प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम, 1985 की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है और जांच की जा रही है।

रूस ने भारत को कच्चा तेल, एलएनजी की आपूर्ति बढ़ाने की पेशकश की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रूस ने पश्चिम एशिया संकट के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार में बढ़ती अस्थिरता के बीच भारत को कच्चे तेल एवं प्राकृतिक गैस की आपूर्ति बढ़ाने की पेशकश की है। इसके अलावा दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर भी सहमति जताई है।

घटनाक्रम से परिचित सूत्रों ने कहा कि रूस के प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ बैठकों में ऊर्जा सहयोग पर विशेष रूप से चर्चा की। मंतुरोव ने इसके बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी मुलाकात की। बृहस्पतिवार शाम वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भी मिले। रूस की तरफ से यहां जारी बयान के मुताबिक, नई दिल्ली में हुई इन बैठकों में तेल एवं गैस क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग पर विशेष ध्यान दिया गया। बयान में कहा गया, ''डेनिस मंतुरोव ने पुष्टि की कि रूसी कंपनियों के पास भारतीय बाजार को तेल एवं तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति लगातार बढ़ाने की क्षमता है।'' यह बयान ऐसे समय आया है जब ईरान युद्ध के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते तेल एवं गैस की आपूर्ति प्रभावित होने के कारण पश्चिम एशिया संकट वैश्विक ऊर्जा बाजार पर दबाव डाल रहा है। जलडमरूमध्य के रास्ते आवागमन लगभग अवरुद्ध हो जाने के बाद वैश्विक तेल और गैस कीमतों में तेज वृद्धि हुई है। फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच स्थित यह संकरा समुद्री मार्ग दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल और एलएनजी के परिवहन को संभालता है। पश्चिम एशिया भारत के लिए भी ऊर्जा का एक प्रमुख स्रोत रहा है। दोनों देशों के बीच भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग की बैठक में भी द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। इस बैठक की सह-अध्यक्षता मंतुरोव और जयशंकर ने की। रूस के बयान के अनुसार, परस्पर लाभकारी व्यापार, निवेश एवं औद्योगिक सहयोग का विस्तार बैठक के प्रमुख एजेंडा में शामिल था। मंतुरोव ने कहा कि 2025 के अंत तक रूस ने भारत को उर्वरकों की आपूर्ति में 40 प्रतिशत वृद्धि की है और वह आगे भी भारत की जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार है।

द्रमुक और अन्नाद्रमुक के सहयोगियों के बीच 21 सीट पर सीधा मुकाबला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ द्रमुक और विपक्षी अन्नाद्रमुक के सहयोगियों के बीच 21 निर्वाचन क्षेत्रों में सीधा मुकाबला होगा। ये छोटे दल दो प्रमुख गठबंधनों (द्रमुक के नेतृत्व वाले एसपीए और अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाले राजग) के तहत चुनाव लड़ रहे हैं और इन्हें राज्य के दो प्रमुख दलों का समर्थन प्राप्त होगा, लेकिन अंततः जिस सीट पर वे चुनाव लड़ रहे हैं, वहां उन्हें मतदाताओं के बीच अपना व्यक्तिगत प्रभाव प्रदर्शित करना होगा।

पूर्व फिल्म निर्देशक सीमान की 'नाम तमिलर काची' और अभिनेता-नेता विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) पार्टी राज्य की सभी 234 सीट पर चुनाव लड़ रही हैं, लेकिन वे अकेले चुनाव मैदान में हैं। दोनों दल अपने-अपने नेताओं पर काफी हद तक निर्भर हैं।

शोलींघुर, पेन्नागरम और मयिलादुथुराई में कांग्रेस का मुकाबला पीएमके (राजग) से होगा। वहीं, डीएमडीके (एसपीए) अपने पूर्व सहयोगी पीएमके के खिलाफ धर्मपुरी, पोलूर, सलेम (पश्चिम) और विरुधचलम में चुनावी मैदान में उतरेगी। द्रमुक की एक अन्य सहयोगी, थोल थिरुमावलवन के नेतृत्व वाली वीसीके, कट्टुमन्नारकोइल और तिरुपोरुर में पीएमके को टक्कर देगी।

कांग्रेस उदगमंडलम, अरंतंगी, विलावनकोड, किल्लियूर और कोलाचेल में भाजपा और एएमएमके (राजग) से लोहा लेगी। वामपंथी दल गंधर्वकोट्टई, पद्मनाभपुरम, थल्ली और कीलवेलूर में भाजपा के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे। करैकुडी और नंगुनेरी में कांग्रेस का मुकाबला एएमएमके से होगा, जबकि पेरियाकुलम में वीसीके और एएमएमके के बीच भिड़ंत होगी। एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) 121 निर्वाचन क्षेत्रों में सीधे मुकाबले में आमने-सामने हैं।

धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन (एसपीए) का नेतृत्व कर रही द्रमुक 175 सीट पर चुनाव लड़ रही है, जबकि अन्नाद्रमुक 169 निर्वाचन क्षेत्रों में मैदान में है। तमिलनाडु में 234 विधानसभा सीट के लिए एक ही चरण में 23 अप्रैल को मतदान होगा और मतगणना चार मई को होगी।

मोदी, शाह की ज्यादा यात्राओं से द्रमुक और सहयोगी दलों की जीत का अंतर बढ़ेगा : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयंबटूर। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक अध्यक्ष एम के स्टालिन ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की राज्य में जितनी अधिक यात्राएं होंगी, सत्तारूढ़ गठबंधन की जीत का अंतर उतना ही अधिक होगा।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने यह भी आरोप लगाया कि ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) ने अपने घोषणापत्र में उनकी पार्टी की प्रमुख योजनाओं की नकल की है।

द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के प्रमुख स्टालिन ने यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि अन्नाद्रमुक महासचिव पलानीस्वामी के पास गिनाने के लिए कोई उपलब्धियां नहीं है। स्टालिन ने आरोप लगाया कि पलानीस्वामी ने द्रमुक सरकार की कई योजनाओं की नकल करते हुए एक घोषणापत्र जारी किया है।

तमिलनाडु चुनाव: भाजपा के साथ गठबंधन करने वाले दलों का कभी कोई भविष्य नहीं रहा : कनिमोई

डिंडीगुल। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सांसद कनिमोई करुणानिधि ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन करने वाले राजनीतिक दलों का भविष्य अंधकारमय है। उन्होंने अन्नाद्रमुक के भाजपा के साथ संबंधों को ऐसा ''विश्वासघाती गठबंधन'' करार दिया, जो राज्य और उसके अपने कार्यकर्ताओं दोनों को धोखा देता है।

नीलाकोट्टई विधानसभा क्षेत्र में द्रमुक उम्मीदवार नागज्योति के लिए प्रचार करते हुए कनिमोई ने अन्नाद्रमुक नेता ई. के. पलानीस्वामी पर निशाना साधते हुए उन पर विश्वासघाती गठबंधन का ''नेतृत्व करने'' का आरोप लगाया, जिसने राज्य और अपनी ही पार्टी कार्यकर्ताओं को धोखा दिया है। उन्होंने कहा, ''जिन लोगों ने उनके (भाजपा) साथ गठबंधन किया है, उनका कभी कोई भविष्य नहीं रहा। हो सकता है, वह आपको किसी राज्य का राज्यपाल बनाकर भेज दें। आप अपनी पसंद का कोई भी शहर चुन लें... अगर आप उन्हें अभी बता दें, तो शायद वे आपको भेज दें।''

थूथुकुडी क्षेत्र से सांसद ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) पर अन्नाद्रमुक के अस्थिर रुख की भी आलोचना करते हुए कहा कि जहां पलानीस्वामी ने पहले इस अधिनियम का समर्थन किया था और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई की थी, वहीं अब वह भाजपा के साथ गुप्त समझौते में रहते हुए खुद को इससे दूर करने की कोशिश कर रहे हैं। कनिमोई ने अन्नाद्रमुक-भाजपा गठबंधन के उन आरोपों को खारिज कर दिया कि द्रमुक हिंदू विरोधी है और इसके लिए उन्होंने मंदिर प्रशासन और जीर्णोद्धार में सरकार के रिकॉर्ड का हवाला दिया।

उन्होंने कहा, ''तमिलनाडु के मंदिरों के बारे में वे लोग कहते हैं कि हम हिंदू धर्म की रक्षा के लिए पैदा हुए हैं और द्रमुक हिंदुओं के खिलाफ है। चार हजार से अधिक मंदिरों का अभिषेक किसने किया? द्रविड़ मॉडल की सरकार ने, द्रविड़ मुनेत्र कषगम सरकार ने। किस सरकार ने 7,500 एकड़ से अधिक मंदिर भूमि वापस ली? मुथुवेल करुणानिधि स्टालिन की सरकार ने।''

भाजपा ने 27 उम्मीदवारों की सूची जारी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए अपने 27 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की, जिसमें राज्य के अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों से कई प्रमुख नेताओं के नाम शामिल हैं। भाजपा ने 5 महिलाओं को भी टिकट दिया है। प्रमुख उम्मीदवारों में शामिल पूर्व राज्यपाल और भाजपा की वरिष्ठ नेता तमिलिसाई सुंदरराजन मायलापुर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगी। भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन को सत्तूर से टिकट दिया गया है। भाजपा की राष्ट्रीय महिला मोर्चा की अध्यक्ष वनथी श्रीनिवासन कोयंबटूर उत्तर से चुनाव लड़ेंगी। केंद्रीय राज्य मंत्री एल. मुरुगन अविनाशी के आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। भाजपा तमिलनाडु में मुख्य रूप से ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है। एनडीए के अन्य घटक दलों में क्षेत्रीय पार्टियां, पट्टाली मक्कल काची (पीएमके), तमिल मनीला कांग्रेस और अम्मा मक्कल मुनेत्र कड़गम (एएमएमके) शामिल हैं। इस बार चुनाव में एनडीए बनाम डीएमके के बीच कड़ी टक्कर है।

केंद्रीय मंत्री और तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के प्रभारी पीयूष गोयल ने उम्मीदवारों को बधाई देते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व और एडप्पाडी के पलानीस्वामी जी के नेतृत्व वाले मजबूत राजग गठबंधन के समर्थन से, प्रत्येक उम्मीदवार तमिलनाडु की जनता की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व कर रहा है, जो भ्रष्टाचार, उदासीनता और टूटे वादों से तंग आ चुकी है।

गोयल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''एकजुट राजग(राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) को द्रमुक के वर्षों के कुशासन को समाप्त करने और एक नए युग की शुरुआत करने का पूरा भरोसा है, जहां तमिलनाडु बुनियादी ढांचे, रोजगार और सभी के कल्याण के साथ समृद्ध होगा।'' भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि राज्य के लोग सुशासन के वादे को व्यवहार में अनुभव कर सकें।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार से तमिलनाडु में पार्टी और एनडीए गठबंधन के प्रत्याशियों के लिए चुनाव प्रचार तेज करेंगे। वे शनिवार को प्रधानमंत्री चेन्नई में लगभग 100 पार्टी पदाधिकारियों, जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं और प्रमुख हितधारकों के साथ बैठक भी करेंगे। गौरतलब है कि 234 सदस्यीय तमिलनाडु विधानसभा के लिए 23 अप्रैल को मतदान होगा। 6 अप्रैल नामांकन का आखिरी तारीख है। 9 अप्रैल तक नामांकन वापस लिया जा सकता है। 4 मई को विधानसभा चुनाव के नतीजों की घोषणा की जाएगी। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद तमिलनाडु में इस बार कुल 5,67,74,436 मतदाता अपने मत का इस्तेमाल करेंगे। इनमें 12,51,749 मतदाता पहली बार वोट डालेंगे। राज्य में 85 साल से अधिक उम्र के मतदाताओं की संख्या 3,99,668 है। भारतीय निर्वाचन आयोग ने राज्य में चुनाव के लिए कुल 75,032 मतदान केंद्र बनाए हैं।

'लॉटरी किंग' मार्टिन का परिवार तीन राजनीतिक दलों से चुनाव मैदान में उतरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/पुडुचेरी। तमिलनाडु और पुडुचेरी विधानसभा चुनाव में लॉटरी किंग' सैंटियागो मार्टिन के परिवार के कई सदस्य तीन अलग-अलग राजनीतिक दलों से अपनी किस्मत आज़मा रहे हैं। मार्टिन की पत्नी लीमा रोज हाल में अन्नाद्रमुक में शामिल हुई थीं। वह तिरुचिरापल्ली की लालगुडी विधानसभा सीट से उम्मीदवार हैं। उनके बेटे एवं अपनी खुद की राजनीतिक पार्टी लक्ष्य जननायक काची' (एलजेके) बनाने वाले जोस चार्ल्स मार्टिन केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में एआईएनआरसी के नेतृत्व वाले राजग गठबंधन के तहत कामराज नगर से चुनाव लड़ रहे हैं।

रोज के दामाद आधव अर्जुन चेन्नई के विल्लीवक्कम से चुनाव लड़ रहे हैं, जो थोल थिरुमावलवन के नेतृत्व वाली वीसीके में सेवा देने के बाद फरवरी 2025 में विजय के नेतृत्व वाली टीवीके में शामिल हो गए थे। ये तीनों पहली बार चुनाव लड़ रहे हैं जिनकी किस्मत का फैसला 9 अप्रैल और 23 अप्रैल को होने वाले मतदान में होगा। तीन अलग-अलग राजनीतिक दलों से चुनाव लड़ रहे परिवार के सदस्यों के बारे में 38 वर्षीय जोस चार्ल्स ने कहा कि लोकतंत्र में, परिवार के हर सदस्य के लिए एक ही राजनीतिक पार्टी का समर्थन करना अनिवार्य नहीं होता। मार्टिन समूह के प्रबंध निदेशक जोस चार्ल्स पहले भाजपा में रह चुके हैं।

उन्होंने भाजपा छोड़कर दिसंबर 2025 में अपनी खुद की राजनीतिक पार्टी शुरू की थी। मार्टिन फाउंडेशन की प्रबंध न्यासी लीमा रोज ने टी. आर. पारिवेंधर के नेतृत्व वाली 'इंडिया जननायक काची' (जो तमिलनाडु में भाजपा की सहयोगी है) छोड़ दी और अन्नाद्रमुक में शामिल हो गईं। अन्नाद्रमुक ने 59 वर्षीय समाजसेविका को लालगुडी से चुनाव लड़ने के लिए टिकट दिया। उन्हें पार्टी की महिला शाखा की संयुक्त सचिव भी नियुक्त किया है।

नारायणसामी ने पुडुचेरी की राजग सरकार पर नकली दवा निर्माण घोटाले को लेकर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वी. नारायणसामी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री एन. रंगासामी के नेतृत्व वाली कैबिनेट नकली दवा निर्माण घोटाले को लेकर कटघरे में है। उन्होंने दावा किया कि यह घोटाला आठ राज्यों में दवाओं की आपूर्ति से जुड़ा है। इसके साथ ही, उन्होंने 'रेस्टो बार लाइसेंस के लिए 40 लाख रुपये की रिश्वत' का आरोप लगाते हुए कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों के दौरान एआईएनआरसी-भाजपा गठबंधन सरकार के कार्यकाल में बार की संख्या 400 से दोगुनी होकर 800 हो गई है।

अठहत्तर वर्षीय पूर्व मुख्यमंत्री ने पीटीआई-भाषा' से बात करते हुए आरोप लगाया कि लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) में 30 प्रतिशत कमीशन की वसूली की जा रही है। उन्होंने 'रेस्टो बार लाइसेंस' के लिए 40 लाख रुपये की रिश्वत, स्मार्ट सिटी परियोजना के कार्यान्वयन में 30 प्रतिशत कमीशन और कई अन्य खरीद प्रक्रियाओं में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री और तीन बार राज्यसभा सदस्य रहे नारायणसामी ने आरोप लगाया कि आठ राज्यों को नकली दवाओं की आपूर्ति से जुड़े घोटाले में रंगासामी मंत्रिमंडल के सभी सदस्य संदेह के घेरे में हैं। उन्होंने इस बारे में विस्तार से कुछ नहीं बताया।

जब इस बात की ओर ध्यान दिलाया गया कि मुख्यमंत्री रंगासामी ने कहा है कि मामले की जांच सीबीआई द्वारा की जा रही है और केंद्रीय एजेंसी के हाथ में जांच होने के कारण वह कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते, तो उन्होंने (नारायणसामी ने) इन सभी दलीलों को निराधार और बेबुनियाद बताते हुए खारिज कर दिया। नारायणसामी ने कहा, ''जब मैं 2016 से 2021 के बीच मुख्यमंत्री था, तब कानून व्यवस्था काफी अच्छी थी; शिक्षा क्षेत्र में पास होने वाले छात्रों का प्रतिशत 95 तक पहुँच गया था और कोरोना वायरस के दौरान लोगों की जान बचाई गई। हमने तत्कालीन उपराज्यपाल किरण बेदी द्वारा उत्पन्न बाधाओं को पार करते हुए 5 वर्षों तक सफलतापूर्वक सुशासन दिया।''

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हाल ही में किए गए इस दावे पर कि उनका सर्वश्रेष्ठ पुडुचेरी' (व्यापार, शिक्षा, आध्यात्मिकता और पर्यटन) का मंत्र पिछले साढ़े चार वर्षों में फलीभूत हो रहा है, इसपर नारायणसामी ने पलटवार किया। उन्होंने दावा किया कि जीएसटी लागू होने के बाद केंद्र शासित प्रदेश में व्यापार में भारी गिरावट आई है। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तीर्ण होने का प्रतिशत गिरकर लगभग 73 प्रतिशत हो गया है और हर साल 10,000 बच्चे स्कूल छोड़ देते हैं।

उन्होंने कहा, हर गली में एक रेस्टोबार है और एक गली में तो 11 रेस्टोबार हैं। महिलाएं खुलकर बाहर नहीं निकल पातीं, खासकर रात में यह एक बड़ी समस्या है। क्या यही आध्यात्मिकता है? उन्होंने कहा, जब मैं मुख्यमंत्री बना, तब पुडुचेरी में, कराईक्कल, माहे और यानम क्षेत्रों सहित, 400 बार थे और मैंने एक भी नया बार खोलने की अनुमति नहीं दी। हमने तय किया था कि 400 ही काफी हैं। रंगासामी के मुख्यमंत्री बनने के बाद, 400 और बार खोलने की अनुमति मिलने से बार की संख्या दोगुनी हो गई। क्या पुडुचेरी 800 बार का बोझ उठा पाएगा? क्या पुडुचेरी की जनता ने इतने बार की मांग की थी? एएनआरसी-भाजपा शासन के दौरान पर्यटन के लिहाज से कुछ भी नहीं हुआ और डायमंड बीच, ब्लू बीच और मरीना बीच सहित समुद्र तटों का विकास कांग्रेस पार्टी के शासनकाल में हुआ।

सीट बंटवारे को लेकर भ्रम की स्थिति 'मामूली' बात; कांग्रेस और द्रमुक दोनों जिम्मेदार : नारायणसामी

पुडुचेरी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता वी. नारायणसामी ने कहा है कि सीट बंटवारे को लेकर हुई भ्रम की स्थिति के लिए उनकी पार्टी और द्रविड़ सहयोगी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) दोनों जिम्मेदार हैं और उन्होंने इसे एक मामूली बात बताया है। द्रमुक ने इस तर्क को नहीं माना और कहा कि कांग्रेस ने छह अतिरिक्त सीट पर उम्मीदवार उतारकर ''बड़ी गलती'' की है। पूर्व मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि बातचीत को लंबा चलने नहीं देना चाहिए था। 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में नारायणसामी (78) ने ऑल इंडिया एन.आर. कांग्रेस (एआईएनआरसी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार को एक ऐसी सरकार बताया जिसने पुडुचेरी की जनता के साथ पूरी तरह से ''धोखा'' किया है। लोग बदलाव चाहते हैं और यह बात तब स्पष्ट हुई जब हमने हाल में पुडुचेरी में एक पदयात्रा की।

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, गठबंधन सहयोगी दलों, कांग्रेस और द्रमुक के बीच सीट बंटवारे को लेकर जो भ्रम की स्थिति है, वह मामूली बात है; लोग भाजपा को पूरी तरह से नकार रहे हैं। मुख्यमंत्री एन रंगासामी भाजपा की कठपुतली बन गए हैं और मुझे विश्वास है कि लोग उन्हें नकार देंगे। इस बीच, अंतिम समय में यह तय हुआ कि कांग्रेस पार्टी 16 सीट पर चुनाव लड़ेगी और द्रमुक को 14 सीट आवंटित की गईं।

द्रमुक नेता राजा का ऑडियो क्लिप सामने आने के बाद भाजपा ने स्टालिन से सफाई देने को कहा

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के प्रवक्ता नारायणन तिरुपति ने शुक्रवार को मांग की कि राज्य के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन को द्रमुक सांसद ए. राजा के कथित ऑडियो टेप पर अपनी सफाई देनी चाहिए। तिरुपति का कहना है कि यह क्लिप सत्ताधारी पार्टी के सामाजिक न्याय के प्रति वास्तविक रुख को उजागर करती है। सोशल मीडिया पर एक अपुष्ट ऑडियो क्लिप जारी की गई है, जिसमें कथित तौर पर राजा 2जी स्पेक्ट्रम आवंटन घोटाले के मामले में विचाराधीन कैदी के रूप में जेल में बिताए अपने समय के बारे में शिकायत व्यक्त कर रहे हैं। इस मामले में उन्हें अंततः निचली अदालत ने बरी कर दिया था।

ऑडियो में, वक्ता (माना जा रहा है कि राजा) दावा करते हैं कि तिहाड़ जेल में उनके बंद रहने के दौरान द्रमुक नेतृत्व ने उन्हें पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया था। उन्होंने कथित तौर पर कहा कि दो महीने तक उनसे पार्टी का कोई नेता मिलने नहीं आया, जब तक कनिमोझी को भी जेल में नहीं लाया गया। तिरुपति ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ''यह द्रविड़ मॉडल, सामाजिक न्याय के प्रति द्रमुक के रवैये को दर्शाता है। राजा स्पष्ट रूप से कहते हैं कि वह जेल में थे और कनिमोझी के तिहाड़ जेल आने तक द्रमुक की तरफ से कोई भी उनसे मिलने नहीं आया।'' द्रमुक नेतृत्व को इन दावों का खंडन करने की चुनौती देते हुए, तिरुपति ने कहा कि ऑडियो जारी करने वाले व्यक्ति ने खुलेआम द्रमुक नेतृत्व को चुनौती दी है कि अगर उनमें हिम्मत है तो वे उस पर मुकदमा करें। तिरुपति ने कहा, ''स्टालिन और राजा दोनों को इस मामले पर सफाई देनी होगी।'' तिरुपति ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राज्य दौरे को लेकर मीडिया में चल रही अफवाहों को भी सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि तमिल मीडिया संस्थान तमिलनाडु में एक निर्धारित जनसभा के बारे में गलत खबरें फैला रहे हैं और उन्होंने यह फर्जी खबर भी फैलाई कि प्रधानमंत्री के अचानक ''नाराज होने'' के कारण कार्यक्रम रद्द कर दिया गया है। इन अटकल भरी खबरों की निंदा करते हुए, उन्होंने सवाल उठाया कि यह पटकथा और ''निर्देश'' कहां से आ रहे हैं। उन्होंने इन्हें पूरी तरह निराधार बताया।

कांग्रेस ने 27 उम्मीदवार घोषित किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई। कांग्रेस ने तमिलनाडु विस चुनाव के लिए 27 उम्मीदवार घोषित किए। पार्टी की ओर से जारी उम्मीदवारों की सूची के अनुसार, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के. सेल्वापेरुन्थगई को श्रीपेरंबुदूर से उम्मीदवार बनाया गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ए. चेल्लाकुमार को कृष्णागिरी से टिकट दिया गया है। कांग्रेस तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन का हिस्सा है और वह 28 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। राज्य की सभी 234 विधानसभा सीटों के लिए 23 अप्रैल को मतदान होगा। मतगणना चार मई को होगी।

विजय के चुनावी हलफनामों में विसंगतियां, कानूनी-राजनीतिक विवाद की आशंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

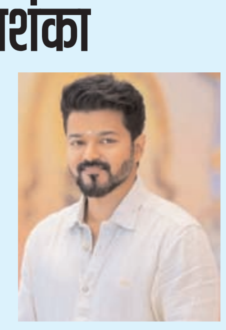

चेन्नई। अभिनेता से नेता बने विजय द्वारा दाखिल दो अलग-अलग चुनावी हलफनामों में विसंगतियां सामने आई हैं, जिससे विधानसभा चुनावों से पहले कानूनी और राजनीतिक विवाद विवाद छिड़ने का अंदेशा है। पेरम्बूर और तिरुचिरापल्ली पूर्व विधानसभा क्षेत्रों के लिए तैयार इन दस्तावेजों में लंबित आपराधिक मामलों और चुनावी बैंक खातों के संबंध में विरोधाभासी घोषणाएं की गई हैं।

चेन्नई में 30 मार्च को नोटरीकृत पेरम्बूर विधानसभा क्षेत्र के लिए तैयार हलफनामे में दावा किया गया है कि उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला लंबित नहीं है। लेकिन तीन दिन बाद तिरुचिरापल्ली में नोटरीकृत तिरुचिरापल्ली पूर्व के लिए तैयार हलफनामे में दो लंबित प्राथमिकी का उल्लेख किया गया है। तिरुचिरापल्ली से जुड़े दस्तावेज के अनुसार, जिन मामलों का उल्लेख किया गया है उनमें मदुरै जिले के कूडाकोविल थाने में दर्ज एक प्राथमिकी और चेन्नई के पेरावल्लूर थाने में दर्ज दूसरी प्राथमिकी शामिल हैं। इनमें से पेरावल्लूर वाला मामला हाल में हुए एक चुनावी कार्यक्रम से जुड़ा है, जिसमें बाउंसरों द्वारा कथित तौर पर हंगामा करने और लोगों को चोट पहुंचाने के आरोप लगाए गए हैं। आपराधिक मामलों के अलावा, चुनावी खर्च से जुड़े वित्तीय विवरणों में भी अंतर सामने आया है। पेरम्बूर के लिए दिए हलफनामे में इंडियन ओवरसीज बैंक की सालिग्रामम शाखा में एक ही खाता दर्शाया गया है, जिसमें एक लाख रुपये जमा बताए गए हैं। वहीं, तिरुचिरापल्ली हलफनामे में दो खातों का उल्लेख है-एक सालिग्रामम शाखा का और दूसरा इंडियन ओवरसीज बैंक की तिरुचिरापल्ली मुख्य शाखा का जिसमें 90,000 रुपये जमा बताए गए हैं। कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि शपथपत्र में तथ्यों को छिपाना या गलत जानकारी देना लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के तहत गंभीर उल्लंघन है।

अब अर्ली वार्निंग और मजबूत व्यवस्थाओं से कम होगा नुकसान : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने प्रदेश में आपदाओं से आमजन को सुरक्षित रखने के लिए पूर्व चेतावनी प्रणाली को सुदृढ़ करने, शहरी जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित करने तथा प्रभावित नागरिकों को त्वरित राहत उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समय पर चेतावनी और बेहतर समन्वय से आपदा के दौरान नुकसान को प्रभावी रूप से कम किया जा सकता है। मुख्य सचिव ने शुक्रवार को सचिवालय में आयोजित राज्य कार्यकारी समिति (एसईसी) की बैठक में राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि (एसडीएमएफ) एवं अन्य प्रस्तावों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने जिला कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि वे अपने क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें तथा ड्रेनेज, प्रोटेक्शन वॉल एवं अन्य संरचनात्मक कार्यों को प्राथमिकता से पूरा कराएं, ताकि स्थानीय स्तर पर जोखिम कम हो सके।

उन्होंने आपदा प्रबंधन एवं नागरिक सुरक्षा विभाग को निर्देश दिए कि चयनित जिलों में अर्ली वार्निंग सिस्टम शीघ्र स्थापित किया जाए, ताकि बाढ़ संभावित क्षेत्रों में समय रहते चेतावनी जारी की जा सके। जयपुर सहित प्रमुख शहरों में शहरी बाढ़ प्रबंधन कार्यों को प्राथमिकता देते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि जलभराव एवं ड्रेनेज से जुड़ी समस्याओं का दीर्घकालिक समाधान सुनिश्चित किया जाए।

मुख्य सचिव ने कृषि विभाग को निर्देश दिए कि फार्म पॉण्ड, सिंचाई पाइपलाइन, ड्रिप एवं मिनी स्प्रिंकलर तथा वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं के माध्यम से जल संरक्षण को बढ़ावा दिया जाए, जिससे किसानों को राहत मिल सके। राज्य कृषि विपणन बोर्ड को मंडियों में शेड निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए, ताकि किसानों एवं व्यापारियों को प्रतिकूल मौसम में सुविधा मिल सके।

मुख्य सचिव ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को प्रमुख अस्पतालों में फायर सेफ्टी ऑडिट एवं आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। स्वायत्त शासन विभाग को शहरी क्षेत्रों में ड्रेनेज एवं बाढ़ नियंत्रण कार्य समयसीमा में पूर्ण करने तथा डीएमआईएस 2.0 जैसी तकनीक आधारित प्रणालियों को लागू करने पर बल दिया। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि आपदा प्रभावित नागरिकों एवं किसानों को एसडीआरएफ के अंतर्गत त्वरित राहत राशि समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराई जाए। साथ ही सभी कार्य एसडीएमएफ के दिशा-निर्देशों के अनुरूप पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के साथ किए जाएं तथा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के माध्यम से उनकी नियमित समीक्षा सुनिश्चित की जाए।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग भास्कर आत्माराम सावंत, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया, शासन सचिव स्वायत्त शासन विभाग रवि जैन, शासन सचिव कार्मिक विभाग श्रीमती अर्चना सिंह, आयुक्त कृषि नरेश कुमार गोयल सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे तथा संबंधित जिला कलेक्टर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से उपस्थित थे।

बीकानेर जिले में 'लिव-इन' में रह रही युवती की हत्या

बीकानेर। राजस्थान के बीकानेर जिले में 35 साल की एक युवती का शव जंगल में पाया गया। पुलिस ने बताया कि पीड़िता एक युवक के साथ 'लिव-इन' (सहजीवन) में रहती थी जिसने कथित तौर पर उसकी हत्या कर दी। पुलिस उपाधीक्षक अमरजीत चावला ने बताया कि जसवीर कौर (35) का शव बृहस्पतिवार को गांव नौ डीडब्ल्यूडी के जंगल में पाया गया। उन्होंने कहा कि वह हरप्रीत सिंह नामक युवक के साथ 'लिव-इन' में रहती थी। आरोपी हरप्रीत दोपहर में खाजूवाला थाने पहुंचा और पुलिस को बताया कि उसने जसवीर की गला दबाकर हत्या कर दी है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया गया। उन्होंने बताया कि युवती की शादी कहीं और हुई थी लेकिन वह लगभग दो साल से हरप्रीत सिंह के साथ 'लिव-इन' में रह रही थी। पुलिस ने बताया कि दोनों में कई दिनों से मनमुटाव चल रहा था। पीड़िता के भाई की ओर से मामला दर्ज कराया गया है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने राजस्थान विश्वविद्यालय के बाहर प्रदर्शन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के कार्यकर्ताओं ने राजस्थान विश्वविद्यालय परिसर में प्रस्तावित एक कार्यक्रम के विरोध में शुक्रवार को प्रदर्शन किया। इन कार्यकर्ताओं ने प्रस्तावित कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जोड़ते हुए विरोध प्रदर्शन किया। विश्वविद्यालय के मानविकी पीठ सभागार में शुक्रवार अपराह्न को मरुधरा नारी संगठन के बैनर तले विचार गोष्ठी का आयोजन किया था। इस कार्यक्रम में आरएसएस के कुछ पदाधिकारियों की भी भागीदारी थी जिसको लेकर एनएसयूआई ने विरोध जताया और प्रदर्शन किया।

एनएसयूआई के पदाधिकारी व कार्यकर्ता विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार के बाहर एकत्र हो गए। उन्होंने परिसर में घुसने के लिए बैरिकेड पर चढ़ने का प्रयास किया लेकिन वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने उन्हें रोक दिया।

कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए विश्वविद्यालय परिसर के बाहर और भीतर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया था। एनएसयूआई ने इस कार्यक्रम का विरोध करते हुए आरोप लगाया कि यह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा से जुड़ा है। एनएसयूआई नेता अमरदीप परिहार ने कहा, विश्वविद्यालय परिसर का उपयोग ऐसी गतिविधियों के लिए नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा, ऐसे कार्यक्रम विश्वविद्यालय परिसर में विशेष विचारधारा को बढ़ावा देते हैं जो शैक्षणिक माहौल के लिए अनुकूल नहीं है।

मुख्य सचिव ने किया आरयूएचएस का दौरा, रिम्स के कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की पहल पर आरयूएचएस अस्पताल को एम्स की तर्ज पर रिम्स के रूप में विकसित किया जा रहा है। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शुक्रवार को आरयूएचएस अस्पताल का दौरा किया और देश के प्रतिष्ठित चिकित्सा संस्थानों के विषय विशेषज्ञों एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ रिम्स के विकास पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बजट घोषणा के अनुरूप रिम्स के कार्य में तेजी लाकर जल्द से जल्द इसका कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह संस्थान प्रदेश में विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं, चिकित्सा के क्षेत्र में अनुसंधान एवं शोध को नई दिशा देगा।

मुख्य सचिव ने कहा कि सवाई मानसिंह अस्पताल में अत्यधिक रोगीभार को देखते हुए आरयूएचएस को एक विश्वस्तरीय चिकित्सा संस्थान के रूप में विकसित किया जाना राज्य सरकार का चिकित्सा सुविधाओं के उन्नय की दिशा में बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि इस संस्थान के विकास में आ रही तमाम बाधाओं को जल्द से जल्द दूर किया जाए। सभी प्रकार की स्वीकृतियां जल्द प्राप्त की जाएं। यहां चरणबद्ध रूप से आधारभूत सुविधाओं, उपकरणों की खरीद, विशेषज्ञ सेवाओं के विस्तार को मिशन मोड में पूरा किया जाए। रिम्स की स्थापना से संबंधित नियमों को जल्द अधिसूचित किए जाने के भी उन्होंने निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि रिम्स के विकास के लिए साप्ताहिक एवं मासिक लक्ष्य तय कर उनके आधार पर काम को गति दी जाए। उन्होंने इसका विस्तृत प्लान जल्द तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रिम्स को पूरी तरह डिजिटल प्रणाली पर विकसित किया जाए, ताकि रोगियों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त करने में सुगमता हो। बैठक में एम्स के डॉ. रमेश अग्रवाल, डॉ. संजीव लालवानी, डॉ. अशोक जारयाल, डॉ. राजेश खड़गावत, मारवाड़ मेडिकल यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. एमके आसेरी सहित अन्य विशेषज्ञों ने रिम्स के विकास को लेकर अपने सुझाव दिए। उन्होंने आरयूएचएस के विकास को लेकर विभिन्न तकनीकी पक्षों पर अपने विचार रखे।

इससे पहले मुख्य सचिव ने आरयूएचएस अस्पताल का दौरा कर वहां उपलब्ध करवाई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का निरीक्षण किया। मुख्य सचिव ने ओपीडी, आईपीडी, आईसीयू सहित अन्य सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने इस दौरान रोगियों एवं उनके परिजनों से संवाद कर स्वास्थ्य सुविधाओं के संबंध में फीडबैक भी लिया। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि विगत समय में आरयूएचएस अस्पताल में सुविधाओं के विस्तार एवं उन्नयन से यहां ओपीडी एवं आईपीडी में रोगी भार पहले की तुलना में काफी बढ़ा है। अब यहां कई प्रकार की विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाएं भी उपलब्ध करवाई जा रही हैं।

पत्नी ने की पति की हत्या : 12 घंटे में पुलिस ने सुलझाया अधजले शव का मामला, मृतक की पत्नी गिरफ्तार

जयपुर। करधनी थाना क्षेत्र में 2 अप्रैल को बोरे में मिले अधजले शव के मामले का पुलिस ने महज 12 घंटे में खुलासा कर दिया। हत्या के आरोप में मृतक की पत्नी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि साक्ष्य मिटाने के आरोप में उसके नाबालिग पुत्र को निरुद्ध किया गया है। पुलिस उपायुक्त पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि शिवनगर बाईपास, निवारू के पास एक बोरे में अधजला शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव का चेहरा और कमर का हिस्सा जलाया गया था, जिससे पहचान मुश्किल हो रही थी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम का गठन कर जांच शुरू की गई। सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर सामने आया कि एक महिला और किशोर साइकिल रिक्शा में शव को डालकर मौके पर फेंककर गए थे। पुलिस ने फुटेज के आधार पर रिद्धि-सिद्धि कॉलोनी, नांगल जैसा बोहरा तक पहुंचकर मृतक की पहचान शेख साहन (35) निवासी पश्चिम बंगाल के रूप में की। जांच में सामने आया कि मृतक शराब के नशे में पत्नी और बच्चों से अक्सर मारपीट करता था। पूछताछ में पत्नी मौसमी ने स्वीकार किया कि उसने पति की मारपीट से तंग आकर हथौड़ी से वार कर और गला दबाकर हत्या की। बाद में बेटे के साथ मिलकर शव को बोरे में डालकर फेंका और पहचान छुपाने के लिए जला दिया। पुलिस ने आरोपी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है और मामले में आगे की जांच जारी है।

हत्या मामले में 12 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई

कोटा। राजस्थान के कोटा की एक अदालत ने आठ साल पुराने हत्या के मामले में दो महिलाओं सहित एक ही परिवार के 12 सदस्यों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। कोटा स्थित अपर जिला एवं सेशन अदालत (महिला उत्पीड़न) ने बृहस्पतिवार को परिवार के सभी 12 सदस्यों को हत्या का दोषी पाया और प्रत्येक दोषी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। पुलिस ने एक सितंबर, 2018 को हत्या का मामला दर्ज किया। इससे एक दिन पहले बकरी को लेकर हुए विवाद के बाद 22 वर्षीय इस्तियाक हुसैन उर्फ ड्ड्ड्गुड्डू पर 10 . 12 लोगों ने धारदार हथियारों और लाठियों से हमला किया था। इस घटना में गुड्डू की मौत हो गई थी। पीड़ित की ओर से पेश हुए अधिवक्ता राजा जमील के अनुसार, हत्या की वजह दो परिवारों के बीच एक बकरी को लेकर हुआ विवाद था।

इस्तियाक सुलह-समझौते के लिए दूसरे पक्ष के पास गया तो उन्होंने पास की एक दुकान पर खड़े इस्तियाक पर हमला कर दिया था। इन 12 दोषियों में रमजानी (57), फरजाना (43), मुख्तार (31), मुस्ताक (29), मुबारिक अली (26), सद्दाम खान (32), शाहीन खानम (37), शाहरुख (26), जहीर खान (35), नईमुद्दीन (26), शहादत (30) और बशीर (32) शामिल हैं।

बिजली दरों में वृद्धि नहीं होने से 1.75 करोड़ उपभोक्ताओं को राहत

जयपुर। राजस्थान विद्युत नियामक आयोग ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बिजली दरों में वृद्धि नहीं करने का निर्णय लिया, जिससे राज्य के 1.75 करोड़ से अधिक उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी। आयोग ने यह आदेश तीनों राज्य वितरण कंपनियों जयपुर, जोधपुर और अजमेर डिस्कॉम द्वारा दाखिल वार्षिक राजस्व आवश्यकता और शुल्क याचिकाओं की सुनवाई के बाद जारी किया और पुराने समग्र शुल्क को बरकरार रखा। अधिकारियों ने बताया कि तीनों डिस्कॉम ने अपनी याचिकाओं में कई तर्कसंगत सुधार प्रस्तावित किए थे। आयोग ने मध्यम औद्योगिक शक्ति श्रेणी के उपभोक्ताओं के लिए न्यूनतम बिजली शुल्क को 6.30 रुपए प्रति यूनिट से घटाकर छह रुपए प्रति यूनिट करने को मंजूरी दी। इसके अलावा, आयोग ने ईवी चार्जिंग स्टेशन के लिए स्थायी शुल्क हटाने को भी मंजूरी दी।

जोधपुर जिले में मादक पदार्थ बनाने वाली फैक्टरी का भंडाफोड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान पुलिस ने जोधपुर जिले में मादक पदार्थ बनाने वाली एक फैक्टरी का भंडाफोड़ करते हुए 3.055 किलो 'सिंथेटिक ड्रग' (एमडी) जब्त की है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। गैंगस्टर-रोधी कार्यबल (एजीटीएफ) के अतिरिक्त महानिदेशक दिनेश एम.एन. के निर्देशन में टीम ने जोधपुर के बनाड थाना क्षेत्र में घर की छत पर चल रही अवैध फैक्टरी का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मौके से 3.055 किलोग्राम सिंथेटिक ड्रग और 55 किलो 725 ग्राम रसायन बरामद किए हैं।

जब्त मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत तीन करोड़ रुपए आंकी गई है। यहां जारी बयान के अनुसार, मौके से गिरफ्तार किए गए गणपतराम बेनीवाल (40) ने अपना 12 लाख रुपये का कर्ज चुकाने के लिए सांचौर के कथित तस्कर आसुराम उर्फ लक्की के साथ सौदा किया था, जिसके तहत उसने अपने घर को मादक पदार्थ बनाने की फैक्टरी में बदल दिया। पुलिस अब मुख्य सरगना आसुराम उर्फ लक्की की तलाश कर रही है।

गहलोत पर बरसे मदन राठौड़, बोले बोल बिगड़ रहे, विपक्ष हताश

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। मीडिया से मुखातिब होते हुए राठौड़ ने कहा कि गहलोत साहब के पास कोई काम नहीं है, वे व्यस्त रहने और मनोरंजन के लिए 'सीरीज' चला रहे हैं। उन्होंने गहलोत के 'इंतजार शास्त्र' पर टिप्पणी करते हुए कहा कि इन दिनों उनकी शब्दावली ठीक नहीं है, उनके बोल बिगड़ते जा रहे हैं। राठौड़ ने कहा कि भाजपा लोकतंत्र की पक्षधर है, जबकि कांग्रेस परिवारवाद से बाहर नहीं निकल पा रही। उन्होंने स्पष्ट किया कि चुनाव करवाना निर्वाचन आयोग का अधिकार है और आयोग जब चाहे चुनाव करा सकता है।

'जयपुर में हर घर तक पहुंचे पीएनजी सुविधा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप स्वच्छ, सुरक्षित एवं सतत ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जयपुर जिले में पीएनजी कनेक्शन के विस्तार को लेकर प्रशासन ने निर्णायक पहल की है। इसी क्रम में जिला कलेक्टर संदेश नायक की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई, जिसमें कमर्शियल, इंडस्ट्रियल एवं डोमेस्टिक उपभोक्ताओं को पीएनजी से जोड़ने की दिशा में रणनीतिक निर्णय लिए गए। बैठक में जिला कलेक्टर संदेश नायक ने स्पष्ट कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य एलपीजी पर निर्भरता को चरणबद्ध तरीके से समाप्त कर अधिक सुरक्षित, किफायती और पर्यावरण अनुकूल पीएनजी को आमजन तक पहुंचाना है। उन्होंने गैस कंपनियों के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि वे पीएनजी कनेक्शन के लाभोंजैसे निरंतर आपूर्ति, उच्च सुरक्षा मानक और लागत में बचतके बारे में आम उपभोक्ताओं के बीच व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाएं।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जिन उपभोक्ताओं के पास एलपीजी और पीएनजी दोनों प्रकार के कनेक्शन हैं, वे आगामी तीन माह के भीतर एलपीजी कनेक्शन को सरेंडर करें, ताकि संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जा सके और पीएनजी प्रणाली को मजबूती मिले।

जिला कलेक्टर ने पीएनजी कनेक्शन जारी करने की प्रक्रिया को सहज, सरल और त्वरित बनाने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की अनावश्यक जटिलता का सामना नहीं करना चाहिए। उन्होंने गैस पाइपलाइन बिछाने के कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में पाइपलाइन का कार्य पूर्ण हो चुका है, वहां प्राथमिकता के आधार पर कनेक्शन जारी किए जाएं।

इसके साथ ही उन्होंने लंबित आवेदनों के शीघ्र निस्तारण के लिए समयबद्ध कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए, ताकि इच्छुक उपभोक्ताओं को बिना देरी के सुविधा मिल सके। शहरी आवासीय क्षेत्रों में पीएनजी के विस्तार को गति देने के लिए जिला कलेक्टर ने फ्लैट्स, अपार्टमेंट्स एवं मल्टी-स्टोरी बिल्डिंग्स की रेजिडेंशियल वेलफेयर सोसाइटी के प्रतिनिधियों से अपील की कि वे सामूहिक रूप से पीएनजी कनेक्शन लेने की पहल करें।

द्रव्यवती नदी को प्रदूषण मुक्त करने के लिए राज्य सरकार सख्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के द्रव्यवती नदी को प्रदूषण मुक्त बनाने के स्पष्ट निर्देशों की अनुपालना में शुक्रवार को नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आलोक गुप्ता ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ द्रव्यवती नदी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आलोक गुप्ता के साथ जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) आयुक्त सिद्धार्थ महाजन तथा नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा , जेडीए सचिव गौरव सैनी, जेडीए के निदेशक अभियांत्रिकी अजय गर्ग एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के उच्च अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बम्बाला पुलिया से स्वर्ण जयंती पार्क तक द्रव्यवती नदी के विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव आलोक गुप्ता ने नगर निगम, जेडीए एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी 5 दिनों में जयपुर शहर का समग्र अध्ययन कर द्रव्यवती नदी में प्रदूषण को कम करने के लिए ठोस एवं प्रभावी समाधान तैयार किए जाएं। उन्होंने कहा कि जिन नालों को बंद किया जा सकता है।

पश्चिम बंगाल में चुनाव के बीच प्राथमिक शिक्षक भर्ती साक्षात्कार प्रक्रिया स्थगित

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बीच 2022 प्राथमिक शिक्षक अहर्ता परीक्षा (टीईटी) में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की साक्षात्कार प्रक्रिया स्थगित कर दी गई है। लिखित परीक्षा 11 दिसंबर 2022 को आयोजित की गई थी और लिखित परीक्षा के परिणाम 10 फरवरी 2023 को घोषित किए गए थे। इसके बाद, पश्चिम बंगाल प्राथमिक शिक्षा बोर्ड ने इस साल 12 मार्च को एक अधिसूचना जारी करके पुरुलिया, बांकुड़ा, मालदा, पश्चिम बर्धमान और बीरभूम समेत कई जिलों के उम्मीदवारों के लिए जिला-वार साक्षात्कार कार्यक्रम घोषित किया था। हालांकि, बोर्ड ने एक अप्रैल को एक ताजा अधिसूचना में सभी पूर्व निर्धारित साक्षात्कार तिथियों को अगली सूचना तक स्थगित कर दिया। आधिकारिक तौर पर स्थगन का कोई कारण नहीं बताया गया। बोर्ड के अध्यक्ष गौतम पाल ने शुक्रवार को कहा, पहले घोषित सभी साक्षात्कार तिथियां स्थगित कर दी गई हैं।

अमित शाह बंगाल में 365 दिन भी रहें तो भी भाजपा को कोई लाभ नहीं होगा : ममता बनर्जी

गजोले/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए शुक्रवार को कहा कि यदि वह (शाह) राज्य में 365 दिन भी रहें, तो भी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को इसका कोई लाभ नहीं मिलेगा क्योंकि ''बंगाल के लोग शाह को पसंद नहीं करते।'' शाह ने हाल में एक बयान में कहा था कि वह राज्य में 15 दिनों तक डेरा डालेंगे। मालदा जिले के गजोले में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी पर भी निशाना साधा और उन पर मालदा में हुए विरोध प्रदर्शनों को भड़काने का आरोप लगाया। बनर्जी ने ओवैसी को 'भाजपा की हैदराबादी कोयल' करार देते हुए कहा कि मालदा में हुए विरोध प्रदर्शनों के पीछे वही लोग हैं, जिन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत काम कर रहे सात न्यायिक अधिकारियों को घंटों तक एक ब्लॉक कार्यालय में रोके रखा था।

पाकिस्तानी आका के इशारे पर आतंक फैलाने वाले गिरोह के चार सदस्य गिरफ्तार

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने कथित तौर पर पाकिस्तानी आका के निर्देश पर रेलवे अवसंरचना सहित देश के महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर हमले की साजिश रचने में 'शामिल' गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अपर पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) अमिताभ यश ने यहां जारी एक बयान में कहा कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मेरठ जिले के परीक्षितगढ़ थाना क्षेत्र के अगवानपुर निवासी साकिब उर्फ डेविल (25) और अरबाब (20) तथा गौतम बुद्ध नगर जिले के छपरौला निवासी विकास गहलावत उर्फ रौनक (27) और लोकेश उर्फ पपला पंडित उर्फ बाबू उर्फ संजू (19) के रूप में हुई है।

संविधान खतरे में है, सपा ग्राम स्तर पर अंबेडकर जयंती मनाएगी : अखिलेश यादव

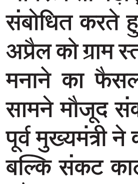

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि संविधान खतरे में है और संस्थाओं को कमजोर किया जा रहा है। यादव ने कहा कि उनकी पार्टी इस मुद्दे पर जमीनी स्तर पर जागरूकता बढ़ाएगी। यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यादव ने कहा कि पार्टी ने 14 अप्रैल को ग्राम स्तर पर बीआर अंबेडकर की जयंती मनाने का फैसला किया है, जहां 'संविधान के सामने मौजूद संकट' पर चर्चा की जाएगी। उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''यह 'अमृत काल' नहीं है, बल्कि संकट काल है। संविधान के लिए खतरा है और हम इस चर्चा को गांवों तक ले जाएंगे। यादव ने आरोप लगाया कि सत्ता में बैठे लोग संविधान के अनुसार काम नहीं करते बल्कि मानव-विधान (मनमाना शासन) का पालन करते हैं। उन्होंने टिप्पणी की, हम लोकतंत्र चाहते हैं, वो एक-तंत्र चाहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया, हम लोकतंत्र को मजबूत करना चाहते हैं, लेकिन वे ऐसी व्यवस्था लागू करना चाहते हैं जो इसे कमजोर कर दे।

केवल राजग ही असम को घुसपैठ से मुक्त करा सकता है : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बारपेटा/बरछला/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि केवल भाजपा के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ही असम को घुसपैठियों से मुक्त करा सकता है और जनसांख्यिकीय बदलाव को रोक सकता है। आदित्यनाथ ने कहा कि भाजपा सरकारें अपने वादों को पूरा करती हैं और इससे ''विरासत-विकास'' एक साथ सुनिश्चित होगा।

बारपेटा और बरछला में रैलियों को संबोधित करते हुए, भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपने लंबे शासनकाल के दौरान राज्य और उसके लोगों की रक्षा करने में विफल रही है। बारपेटा में असम गण परिषद (अगप) उम्मीदवार दीपक कुमार दास के समर्थन में प्रचार करते हुए उन्होंने आरोप लगाया, ''असम में कांग्रेस 60 वर्षों से सत्ता में थी। लेकिन इसने घुसपैठ, हिंसा और दंगों को ही बढ़ावा दिया। इसने स्थानीय संस्कृति और विरासत को खतरे में डाल दिया।'' उन्होंने एआईयूडीएफ पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि वह घुसपैठियों को प्रोत्साहित कर रही है और उसका लक्ष्य इनके समर्थन से सत्ता पाना है।

आदित्यनाथ ने कहा, ''कांग्रेस और एआईयूडीएफ मिलकर राज्य की संस्कृति और विरासत को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि राजग सरकार राज्य में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा, ''प्रत्येक घुसपैठिये की पहचान करके उसे खदेड़ दिया जायेगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाला राजग 'लव और लैंड जिहाद' तथा जनसांख्यिकी में किसी भी प्रकार का बदलाव सहन नहीं करेगा।

बिरला ने 'स्व-गणना' में भागीदारी की, जनगणना को नए युग की शुरुआत बताया

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को जनगणना 2027 के लिए 'स्व-गणना' प्रक्रिया में भागीदारी की। लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, बिरला ने अपने आवास पर इस प्रक्रिया में भाग लिया। इस मौके पर बिरला ने कहा कि राष्ट्रीय जनगणना शासन के एक नए युग की शुरुआत है। उन्होंने इस बात पर खुशी जताई कि भारत के इतिहास में पहली बार पूरी जनगणना प्रक्रिया डिजिटल माध्यम से संचालित की जा रही है। उनका कहना था कि यह बदलाव प्रत्येक नागरिक को अपने घर और परिवार का विवरण स्वयं दर्ज करने का अधिकार और सुविधा प्रदान करता है, जो कि अत्यंत सुरक्षित, सटीक और सुगम प्रक्रिया है। बिरला ने कहा, ''डिजिटल गणना की ओर यह कदम भारत की तकनीकी प्रगति का प्रमाण है, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि राष्ट्रीय डेटा अधिक सटीक हो और जमीनी हकीकत को बेहतर ढंग से दर्शाए।'' लोकसभा अध्यक्ष ने लोगों से इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की।

बांग्लादेश के हिस्से मिलाकर 'ग्रेटर टिपरालैंड' बनाने की मांग लोगों को गुमराह करेगी : माणिक साहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने बांग्लादेश के कुछ हिस्सों को मिलाकर 'ग्रेटर टिपरालैंड' बनाने के टिपरा मोथा पार्टी (टीएमपी) प्रमुख प्रद्योत किशोर माणिक्य देबबर्मा के वादे की शुक्रवार को आलोचना करते हुए कहा कि ऐसी मांग लोगों को गुमराह करेगी।

देबबर्मा ने गोमती जिले के सिलाचरी मोटरस्टैंड इलाके में जनजातीय परिषद चुनाव रैली को बुधवार को संबोधित करते हुए कहा था कि उनका उद्देश्य बांग्लादेश के कॉक्स बाजार, चटगांव एवं खगराचारी को मिलाकर 'ग्रेटर टिपरालैंड' बनाना है और उन्होंने टिपरासा समुदाय से एकजुट होने का आह्वान किया था। मुख्यमंत्री ने कहा, ''टीएमपी प्रमुख ने कॉक्स बाजार, चटगांव और खगराचारी पर कब्जा कर 'ग्रेटर टिपरालैंड' बनाने का वादा करके आदिवासी लोगों को गुमराह करने की एक बार फिर कोशिश की है। क्या यह संभव है? यह एक अवैध बयान है जिसके लिए कानूनी कार्रवाई हो सकती है।'' साहा ने दुकानदारों के बहिष्कार के बीच पश्चिम त्रिपुरा के गबार्डी बाजार में एक आदिवासी परिषद चुनाव रैली को संबोधित करते हुए कहा, ''हमने बांग्लादेश के एक राजनीतिक कार्यकर्ता का भी ऐसा ही एक बयान सुना था जो हमारे पूर्वोत्तर पर नियंत्रण करना चाहता था। यह लोगों को भ्रमित करने की एक सोची-समझी कोशिश के अलावा और कुछ नहीं है।'' मुख्यमंत्री ने टीएमपी समर्थकों की कथित धमकियों के बाद गबार्डी बाजार में दुकानदारों के बहिष्कार का जिक्र करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की जबरदस्ती से लोगों का समर्थन हासिल नहीं किया जा सकता।

गंगा नदी का पानी स्नान करने योग्य, प्रदूषण के स्तर में आ रही है कमी : केंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने दावा किया है कि गंगा का पानी निगरानी किए गए सभी स्थलों पर स्नान के मानकों पर खरा उतरता है और इस नदी में प्रदूषण का स्तर घट रहा है। जल शक्ति राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि 2025 (जनवरी से अगस्त) के औसत जल गुणवत्ता आंकड़ों के आधार पर, नदी का पीएच और घुलित ऑक्सीजन स्तर सभी स्थानों पर स्नान के मानदंडों को पूरा करता है।

पीएच (पोटेंशियल ऑफ हाइड्रोजन) किसी तरल पदार्थ या विलयन में हाइड्रोजन आयनों की सांद्रता को मापकर उसकी अम्लीयता या क्षारीयता बताने वाला एक पैमाना है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) पांच राज्यों के कुल 112 स्थासनों पर गंगा नदी की जल गुणवत्ता की निगरानी करता है, जिनमें उत्तराखंड में 19, उत्तर प्रदेश में 41, बिहार में 33, झारखंड में चार और पश्चिम बंगाल में 15 स्थान शामिल हैं। चौधरी ने कहा कि जैव-रासायनिक ऑक्सीजन मांग (बीओडी) के संदर्भ में पानी की गुणवत्ता उत्तराखंड, झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल में नदी के पूरे प्रवाह में स्नान मानकों के अनुरूप है। हालांकि, उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों- जैसे फर्रुखाबाद से कानपुर के पुराना राजापुर तक, रायबरेली के डलमऊ, और गाजीपुर के तारीघाट तक मिर्जापुर के निचले हिस्से- में यह मानकों पर पूरी तरह खरा नहीं उतरता। उन्होंने कहा कि गंगा नदी और उसकी सहायक नदियों के किनारे 50 स्थानों और यमुना नदी के किनारे 26 स्थानों पर 2024-25 के दौरान की गई जैव-निगरानी से ज्ञात होता है कि जैविक जल की गुणवत्ता मुख्य रूप से 'अच्छी' से 'मध्यम' श्रेणी में है, जो जलीय जीवन को बनाए रखने के लिए नदियों की पारिस्थितिक क्षमता को दर्शाती है। मंत्री ने कहा कि गंगा और उसकी सहायक नदियों की सफाई और पुनरुद्धार के लिए नमामि गंगा कार्यक्रम के तहत ''विविध और विस्तृत कदम उठाए गए हैं'', जिनमें अपशिष्ट जल उपचार, नदी तट प्रबंधन, 'ई-प्रवाह' सुनिश्चित करना, ग्रामीण स्वच्छता, वनीकरण, जैव विविधता संरक्षण और जन भागीदारी शामिल हैं।

भारत की 'सॉफ्ट पावर' का केंद्र बन सकती है अयोध्या नगरी : मनोज सिन्हा

नई दिल्ली/भाषा। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शुक्रवार को कहा कि अयोध्या महज एक भौगोलिक स्थान नहीं है बल्कि भारत की सांस्कृतिक एवं सभ्यतागत निरंतरता का प्रतीक है और यह पवित्र नगरी भारत की सॉफ्ट पावर का केंद्र बन सकती है।

सिन्हा ने यहां इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) में आयोजित अयोध्या पर्व 2026 के दौरान कहा कि भगवान राम द्वारा प्रतिपादित सौहार्द, त्याग एवं साझा समृद्धि के मूल्य वैश्विक अस्थिरता के दौर में और अधिक प्रासंगिक हैं। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, आरएसएस के नेता सुरेश भैयाजी जोशी, अयोध्या के पूर्व सांसद लल्लू सिंह समेत अन्य लोग भी इस दौरान मंच पर मौजूद थे। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल ने कहा कि एक पवित्र नगरी के रूप में अयोध्या भारत की सांस्कृतिक जड़ों का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने रेखांकित किया कि कोई भी देश अपनी ''जड़ों'' का ध्यान रखे बिना आगे नहीं बढ़ सकता। सिन्हा ने कहा, ''अयोध्या भारत की वैश्विक पहचान, आर्थिक शक्ति और सांस्कृतिक निरंतरता का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अयोध्या भारत की ''सॉफ्ट पावर का केंद्र'' बन सकती है जहां से देश की सांस्कृतिक समृद्धि और उसके लोकाचार का संदेश व्यापक दुनिया तक पहुंच सकता है।

मोदी, हिमंत ने आदिवासियों के विकास के लिए रोडमैप तैयार किया : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुधनोई (असम)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आदिवासियों के विकास के लिए एक रोडमैप तैयार किया है। उन्होंने इस रोडमैप को लागू करने के लिए राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सत्ता में वापसी सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

ग्वालपाड़ा जिले के दुधनोई में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि कांग्रेस ने कभी किसी आदिवासी महिला को राष्ट्रपति नहीं बनाया, लेकिन मोदी ने इस चलन को बदल दिया और द्रौपदी मुर्मू भारत की राष्ट्रपति बनीं। उन्होंने कहा, केंद्र में प्रधानमंत्री और यहां असम में मुख्यमंत्री के पास राज्य में आदिवासियों के विकास के लिए एक रोडमैप है। अगर लोग भाजपा को लगातार तीसरी बार जनादेश देते हैं, तो इसे (रोडमैप) आगे बढ़ाया जाएगा।

कामरूप जिले के पलाशबाड़ी में एक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि कांग्रेस की असम इकाई के अध्यक्ष के भारत के दुश्मन देश से संबंध होने के आरोप हैं। उन्होंने कहा, लेकिन वह इस बारे में चुप्पी साधे हुए हैं।

शाह ने कांग्रेस नेता गौरव गोगोई और उनकी पत्नी के पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से संबंध होने के हिमंत के आरोपों की पृष्ठभूमि में यह टिप्पणी की। हालांकि, उन्होंने न तो गोगोई का नाम लिया और न ही दुश्मन देश की पहचान पाकिस्तान के रूप में की।

गृह मंत्री ने कांग्रेस पर पलाशबाड़ी में भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) की स्थापना के लिए लाए गए विधेयक को रोकने की कोशिश करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि वह भाजपा ही थी, जिसमें राज्य में आईआईएम की स्थापना सुनिश्चित की।

भाजपा बेवजह विवाद खड़ा करके अहम मुद्दों से ध्यान भटका रही है: पवन खेड़ा

गुवाहाटी/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) असम विधानसभा चुनाव में अहम मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए बेवजह विवाद खड़े कर रही है और चर्चा को उसी दिशा में मोड़ रही है।

खेड़ा ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कांग्रेस पर 'सांप्रदायिक हिंसा विधेयक' लाने की कोशिश का आरोप लगाना एक ऐसे व्यक्ति का ''बेहद अजीब बयान'' है जो लगभग 12 वर्षों से केंद्र की सत्ता में है। उन्होंने कहा, ''उनकी (मोदी) पार्टी पिछले 10 वर्षों से असम में भी सत्ता में है, फिर भी उन्हें चीजों की गलत व्याख्या करनी पड़ती है और अपनी असफलताओं से ध्यान हटाने का प्रयास करना पड़ता है।'' खेड़ा ने कहा, ''वह तथ्यों को तोड़-मरोड़कर क्यों पेश कर रहे हैं, 2014 से ही क्यों? इससे पता चलता है कि प्रधानमंत्री को यह मालूम है कि भाजपा की उपलब्धियों के बारे में बात करने के लिए कुछ खास बचा नहीं है।'' केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस दावे के संदर्भ में कि भाजपा घुसपैठियों के खिलाफ है, न कि असम के मूल निवासी मुसलमानों के खिलाफ, खेड़ा ने पूछा, ''वह यह क्यों नहीं कहते कि वे 1985 के असम समझौते का पालन करते हैं - यही तो हर बहस का समाधान है।'' उन्होंने कहा कि भाजपा को उम्मीद है कि ध्रुवीकरण एक चुनावी मुद्दा बन जायेगा, लेकिन ''राज्यभर में यात्रा करने के दौरान मुझे ऐसा होता हुआ नहीं दिख रहा है''।

कांग्रेस ने घुसपैठियों के लिए काम किया : नितिन नवीन

लोगों को वोट डालते समय पुराना दौर याद रखना होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कमलपुर/मंगलदाई (असम)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस अवैध घुसपैठियों के लिए काम करती रही है और असम विधानसभा चुनाव में वोट डालते समय मतदाताओं को इसके कार्यकाल को याद रखना होगा।

कमलपुर और मंगलदाई में रैलियों को संबोधित करते हुए उन्होंने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में भाजपा की अगुवाई वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) लगातार तीसरी बार सरकार बनाएगा। नवीन ने कहा, कांग्रेस सरकार ने घुसपैठियों के लिए दरवाजे खोल दिए और वोट बैंक की राजनीति के लिए हमारी जमीन उन्हें दे दी। उसके शासनकाल में महिलाएं और जमीन सुरक्षित नहीं थीं। उन्होंने दावा किया कि असम के लोगों के समर्थन से बनी भाजपा की सरकार ने घुसपैठियों को बाहर का रास्ता दिखाया और सिलसिलेवार विकास कार्य किए।

भाजपा प्रमुख ने कहा, असम में पिछले 10 साल विकास के रहे हैं। जब आप वोट देने जाएं, तो उससे पहले के दौर को जरूर याद रखें। नवीन ने कहा कि वह 2009-2010 से पार्टी के विभिन्न कार्यों के लिए असम आते रहे हैं और राज्य के कई हिस्सों का दौरा कर चुके हैं।

उन्होंने कहा, उस समय विकास की कोई बात नहीं होती थी। जब मैं एक जगह से दूसरी जगह जाना चाहता था, तो तनाव रहता था। लोग केवल हिंसा और आंदोलन की ही चर्चा करते थे। असम की 126-सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान नौ अप्रैल को होगा, जबकि परिणाम चार मई को घोषित किए जाएंगे।

पहले ही मैच में शीर्ष क्रम के प्रदर्शन पर घबराने की जरूरत नहीं : कुलदीप

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली कैपिटल्स के स्पिनर कुलदीप यादव ने शुक्रवार को कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पहले ही मैच के बाद शीर्ष क्रम के खराब प्रदर्शन को लेकर घबराने की कोई जरूरत नहीं है।

दिल्ली कैपिटल्स ने टूर्नामेंट के पहले मैच में शीर्ष क्रम के चरमराने के बाद समीर रिजवी और ट्रिस्टन स्टब्स की मैच विजयी साझेदारी से छह विकेट से जीत हासिल की। केएल राहुल पहली ही गेंद पर शून्य पर आउट हो गए जबकि पाथुम निसांका को रन बनाने में मुश्किल हुई और नीतिश राणा आक्रामक खेल दिखाने की कोशिश में आउट हो गए। मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर कुलदीप ने कहा, ''नीतिश कई साल से खेल रहे हैं और आईपीएल के अनुभवी खिलाड़ी हैं। निसांका को आप जानते हैं कि वह किस तरह के बल्लेबाज हैं और कितने काबिल हैं। मुझे लगता है कि इसमें घबराने की कोई जरूरत नहीं है।''

धोनी और कपिल से दिल से माफी मांगता हूं, युवराज ने पिता की बातों पर कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विश्व कप विजेता पूर्व भारतीय आलराउंडर युवराज सिंह ने कहा कि उनके पिता योगराज सिंह ने महेंद्र सिंह धोनी और कपिल देव के बारे में गुस्से में जो बातें कहीं, वे गलत थीं और इसके लिए माफी मांगते हैं। उन्होंने कहा कि वह अपने पिता की इन विवादित बातों से सहमत नहीं हैं और इन खिलाड़ियों से 'दिल से माफी मांगते' हैं।

युवराज ने 'स्पोर्ट्स तक' के साथ एक पॉडकास्ट साक्षात्कार में अपने पिता के उस विवादित मुद्दे पर बात की जिसमें उन्होंने राष्ट्रीय टीम से उनके बाहर होने के लिए धोनी को दोषी ठहराया था और साथ ही उन्होंने बीते समय में चयन के मुद्दों को लेकर भी कपिल को गाली दी थी।

युवराज ने कहा, ''मैं कपिल और एम एस धोनी से इन टिप्पणियों के लिए माफी मांगना चाहता हूं क्योंकि कपिल पाजी भारत के लिए एक महान खिलाड़ी रहे हैं। उनके (योगराज और कपिल) बीच कैसा रिश्ता था, मुझे नहीं पता, मैं तो तब पैदा भी नहीं हुआ था।'' उन्होंने कहा, ''मैं धोनी के साथ खेला हूं और उनके साथ अपने रिश्ते को लेकर मेरी उम्मीदें थीं। लेकिन मेरे पिता ने उनके बारे में जो कहा, मैंने उनसे कहा कि यह ठीक नहीं है। ''

भारत की 2011 विश्व कप जीत के नायक रहे इस आलराउंडर ने कहा, ''मैंने उनसे कहा 'यह ठीक नहीं है क्योंकि इसका असर मुझ पर पड़ता है। मैं उनके साथ खेला हूं और मैं चाहूंगा कि आप उनके बारे में ये बातें नहीं कहें। '' युवराज ने कहा कि कपिल और धोनी दोनों अच्छी तरह जानते हैं कि उनके पिता के बयान किसी भी तरह से उनके अपने विचारों को नहीं दिखाते हैं। उन्होंने कहा, ''जो कोई भी कारण हों, आप जानते हैं कि वे क्या हैं। लेकिन मैं उन दोनों से इन शब्दों के लिए ईमानदारी से माफी मांगना चाहूंगा लेकिन वे यह भी जानते हैं कि ये शब्द मेरे नहीं हैं। क्रिकेटर के तौर पर, उन्होंने देश के लिए जो कुछ किया है, मेरे मन में उनके लिए बहुत सम्मान है।''

सुविचार

अपनी कमियों को स्वीकार करना ही उन्हें सुधारने का पहला कदम है। पूर्ण कोई नहीं होता, प्रयास ही सब कुछ है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कारोबारी माहौल में लाएं बड़े सुधार

जन विश्वास विधेयक को संसद की मंजूरी देश में कारोबारी माहौल को बेहतर बनाने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है। हालांकि अभी बड़े स्तर पर कई सुधारों की जरूरत है। सरकार को इस काम की रफ्तार बढ़ानी होगी। धरातल पर चीजों को सुधारना होगा, जहां दशकों से समस्याएं मौजूद हैं। भारत विशाल क्षेत्रफल और बड़ी आबादी वाला देश है। यहां वस्तुओं और सेवाओं की बहुत मांग है। इसके बावजूद युवाओं का रुझान उद्यमिता की ओर नहीं है! वे सिर्फ ऐसी सरकारी नौकरी चाहते हैं, जिसमें कुर्सी पर बैठे रहें और महीने की एक तारीख को मोटा वेतन उनके बैंक खाते में आ जाए। इस सोच ने भारत में बेरोजगारी को जन्म दिया है। यहां सरकारी नौकरी को ही रोजगार मानने की प्रवृत्ति ने कई आर्थिक और सामाजिक समस्याएं खड़ी कर दी हैं। विकसित देशों में काम का सम्मान है। वहां उद्यमिता को प्रोत्साहन दिया जाता है। उन देशों में उद्योग शुरू करना भी मुश्किल नहीं होता है। हमारे देश में दुर्भाग्य से ऐसा माहौल बन गया, जिसमें उद्यमिता को हतोत्साहित किया गया। उसे स्कूली पाठ्यक्रम में भी न के बराबर जगह मिली। अगर कोई व्यक्ति जोखिम लेकर अपना काम शुरू दे तो उसके सामने बहुत बाधाएं आती हैं। हालांकि पिछले एक दशक में हालात थोड़े बेहतर हुए हैं, लेकिन अभी कई सुधारों की जरूरत है। इसे हम एक सामान्य उदाहरण से समझ सकते हैं। किसी गांव में एक प्रतिभाशाली किशोर जूते बनाने में रुचि रखता है। वह भविष्य में एक अच्छा उद्यमी बनकर दर्जनों लोगों के लिए रोजगार के अवसरों का सृजन कर सकता है। अब समस्या कहां है? उसे प्रोत्साहन देने वाला कोई नहीं है। इस मामले में स्कूली पाठ्यक्रम तो मौन ही है। अगर वह किसी से पूछेगा तो यह जवाब मिलेगा, 'तुम तो पढ़ाई में अच्छे हो। किस काम में फंसने जा रहे हो? जाओ, किसी सरकारी नौकरी की तैयारी करो। जब कुछ न बन पाओ, तब यह काम कर लेना।'

अगर वह लड़का भविष्य में कहीं से प्रशिक्षण लेकर गांव में एक छोटी-सी दुकान खोलने की कोशिश करे तो उसे सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने होंगे। किसी तरह ये काम हो जाएं, उसके बाद भी संघर्ष कम नहीं होगा। उसके काम को वह सम्मान नहीं मिल पाएगा, जिसका वह हकदार है। वहीं, यह लड़का शहर जाकर किसी विदेशी जूता कंपनी में नौकरी करने लग जाए तो गांव में उसके चर्चे होंगे। उसका सम्मान बढ़ जाएगा। पड़ोसी, दोस्त, रिश्तेदार कहेंगे कि फलां ब्रांड के साथ जुड़ गया है। जो लड़का अपना ब्रांड बना सकता था, अपने गांव के कई लोगों को रोजगार दे सकता था, उसे विदेशी कंपनी का कर्मचारी बनकर संतुष्ट होना पड़ा। क्या देश में ऐसी व्यवस्था नहीं हो सकती, जो बच्चों को उद्यमी बनना सिखाए? यही एक तरीका है, जिससे बेरोजगारी और गरीबी का निवारण किया जा सकता है। बच्चों के मन में उद्यमी बनने की सोच पैदा की जाए। उनके लिए ऐसा पाठ्यक्रम होना चाहिए, जो रटने पर नहीं, बल्कि सोचने, समझने, सीखने और स्वावलंबी बनने पर जोर दे। प्रशासन ऐसा होना चाहिए, जो उद्यमियों का ख़याल रखे। जो व्यक्ति उद्यम लगाना चाहे, उसे सिर्फ एक एसएमएस करना पड़े। उसके बाद बिजली-पानी-गैस कनेक्शन कराने, बैंक खाता खुलाने समेत ऐसे सारे काम, जिनका संबंध सरकारी दफ्तरों से है, वे प्रशासन आगे बढ़कर खुद करके दे। उस व्यक्ति के रास्ते में कोई रुकावट न रहे। देश में कारोबारी माहौल बेहतर होने से अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। जब ज्यादा संख्या में युवाओं के पास रोजगार होगा तो कई अपराध अपनेआप कम हो जाएंगे। इससे लोगों में सुरक्षा की भावना मजबूत होगी। भारत को अपनी आबादी को ताकत बनाना होगा। इसके लिए यह बिल्कुल सही समय है।

ट्वीटर टॉक

पहली बार पूरी प्रक्रिया डिजिटल माध्यम से संचालित हो रही है, जिससे प्रत्येक नागरिक को अपने घर-परिवार का विवरण स्वयं दर्ज करने का अधिकार और सुविधा भी मिली है। यह अत्यंत सुरक्षित, सटीक और सुविधाजनक प्रक्रिया है।

-ओम बिरला

अदम्य साहसी और कुशल रणनीतिकार छत्रपति शिवाजी महाराज की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटि-कोटि नमन! आपका जीवन और आदर्श युगों-युगों तक प्रेरणा देते रहेंगे। 'स्वराज्य' का जो बीज आपने बोया, वह आज भी प्रत्येक भारतीय के हृदय में राष्ट्रवाद बनकर उभरा है।

-भजनलाल शर्मा

राजस्थान विश्वविद्यालय में फैलाया जा रहा भ्रम पूरी तरह निराधार है। यह आयोजन 'मनसा' नामक महिला समूह द्वारा संचालित एक सकारात्मक समाजोपयोगी पहल है। कांग्रेस एवं यूथ कांग्रेस से जुड़े लोगों द्वारा एक फर्जी आमंत्रण पत्र तैयार कर इसे विवादों में घसीटने का प्रयास किया जा रहा है।

राजेन्द्र राठौड़

प्रेरक प्रसंग

समय की महत्ता

पद्मभूषण से सम्मानित प्रसिद्ध शिक्षाविद और काशी हिंदू विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर अमरकांत झा समय के बेहद पाबंद थे। एक बार पटना के कुछ साहित्यकारों ने एक साहित्यिक गोष्ठी का आयोजन किया और उसके लिए डॉक्टर साहब को बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया। डॉक्टर साहब ने आमंत्रण स्वीकार करते हुए गोष्ठी के आयोजकों से निवेदन किया कि वे गोष्ठी के समय से आधा घंटा पहले किसी को उनके निवास स्थान पर जरूर भिजवा दें। गोष्ठी के दिन निर्धारित समय पर वे तैयार होकर बैठ गए, किंतु उनको लेने आने वाला व्यक्ति करीब एक घंटा देरी से आया और इस देरी का कारण बताते हुए माफी मांगने लगा। जब डॉक्टर साहब ने उसके साथ चलने से मना कर दिया तो वह व्यक्ति गिड़गिड़ाते हुए बोला कि गोष्ठी में आपके न जाने से हमारा सारा प्रोग्राम ही चौपट हो जाएगा। इस पर डॉक्टर साहब बोले, 'आपके प्रोग्राम के चौपट हो जाने का मुझे खेद रहेगा, किंतु गोष्ठी में देरी से पहुंच कर खुद को लेट-लतीफ कहलवाना मुझे बिल्कुल बर्दाश्त नहीं होगा।'समय की महत्ता

सामयिक

बंगाल में बढ़ती अराजकता : लोकतंत्र के लिए चुनौती

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

किसी भी राज्य में यदि अधिकारी सुरक्षित नहीं हैं, न्यायिक अधिकारी तक बंधक बना लिए जाते हैं और पुलिस या प्रशासन समय पर प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पाता, तो यह प्रशासनिक तंत्र की कमजोरी का स्पष्ट प्रमाण है। प्रशासन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी कानून व्यवस्था बनाए रखना और सरकारी कार्यों को निर्भय वातावरण में संपन्न कराना होता है। यदि प्रशासन यह सुनिश्चित नहीं कर पा रहा है, तो इससे जनता में भय और अविश्वास दोनों बढ़ते हैं।

पश्चिम बंगाल, जो कभी सांस्कृतिक चेतना, बौद्धिकता और राजनीतिक परिपक्वता का प्रतीक माना जाता था, आज एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां लोकतांत्रिक मूल्यों की जड़ें लगातार कमजोर होती प्रतीत हो रही हैं। जैसे-जैसे चुनाव का समय नजदीक आता जा रहा है, वैसे-वैसे राज्य में हिंसा, अराजकता अलोकतांत्रिकता और राजनीतिक असहिष्णुता की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। यह केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का परिणाम नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति घटते सम्मान और कानून व्यवस्था की गिरती स्थिति का भी द्योतक है। हाल ही में मालदा जिले में मतदाता सूची पुनरीक्षण अर्थात एसएआर को लेकर जिस प्रकार का असंतोष और तनाव देखने को मिला, वह भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति अविश्वास को दर्शाता है। मतदाता सूची में नाम जुड़ना या हटना एक कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रिया है, जिसके लिए स्पष्ट नियम और प्रावधान होते हैं। यदि इस प्रक्रिया को राजनीतिक चश्मे से देखा जाएगा या प्रशासनिक अधिकारियों पर दबाव बनाया जाएगा, तो निष्पक्ष चुनाव की पूरी प्रक्रिया ही संदिग्ध हो जाएगी। एसएआर प्रक्रिया में बाधक बनते हुए जिसे तरह से न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे तक बंधक बनाए जाने की घटना सामने आयी है, वह न केवल चिंताजनक है बल्कि लोकतंत्र के लिये एक गंभीर चेतावनी भी है। यह उस व्यापक घातक एवं विडम्बनापूर्ण प्रवृत्ति का हिस्सा है, जिसमें प्रशासनिक और न्यायिक तंत्र को भी राजनीतिक दबाव और भीड़तंत्र के आगे झुकने के लिए मजबूर किया जा रहा है। विशेष रूप से यह तथ्य कि बंधक बनाए गए अधिकारियों में महिलाएं भी शामिल थीं, इस घटना को और अधिक गंभीर बना देता है। यह न केवल कानून के शासन पर प्रश्नचिह्न लगाता है, बल्कि समाज में बढ़ती असंवेदनशीलता को भी उजागर करता है।

पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का इतिहास नया नहीं है। 1960 और 70 के दशक में नक्सल आंदोलन के दौरान हिंसा का जो दौर शुरू हुआ था, उसने राज्य की राजनीतिक संस्कृति को गहराई से प्रभावित किया। इसके बाद वामपंथी शासन के लंबे कालखंड में भी राजनीतिक विरोधियों के प्रति असहिष्णुता और हिंसा की घटनाएं समय-समय पर सामने आती रहीं। सत्ता परिवर्तन के बाद तृणमूल कांग्रेस एवं ममता बनर्जी के शासन में यह प्रवृत्ति समाप्त नहीं हुई, बल्कि नए स्वरूप में सामने आई। यह स्पष्ट संकेत है कि समस्या केवल किसी एक दल या विचारधारा की नहीं, बल्कि पूरे राजनीतिक तंत्र में व्याप्त एक गहरे संकट की है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में, चुनावों के निकट आते ही जिस प्रकार की घटनाएं सामने आ रही हैं, वे लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरे का संकेत देती हैं। मतदाता सूची के पुनरीक्षण जैसे संवेदनशील कार्य में लगे अधिकारियों को बंधक बनाना यह दर्शाता है कि कुछ तत्व चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मतदाता की स्वतंत्रता और निष्पक्ष चुनाव के अधिकार पर सीधा हमला है।

इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट की सक्रियता उल्लेखनीय है। समय-समय पर न्यायालय ने राज्य सरकार को कड़े निर्देश दिए हैं और कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी की याद दिलाई है। किंतु यह भी एक चिंताजनक तथ्य है कि इन निर्देशों का जमीनी स्तर पर अपेक्षित प्रभाव नहीं दिखाई देता। इससे यह प्रश्न उठता है कि क्या राज्य प्रशासन एवं सत्तारूढ पार्टी इन निर्देशों को लागू करने में अक्षम है या इच्छुक नहीं है? यदि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश भी प्रभावी नहीं हो पा रहे हैं, तो यह लोकतंत्र के लिए एक गंभीर चेतावनी है। चुनाव के समय बढ़ती अराजकता के पीछे राजनीतिक बौखलाहट भी एक महत्वपूर्ण कारण हो सकती है। जब किसी दल को अपनी लोकप्रियता में गिरावट का भय होता है, तो वह अक्सर लोकतांत्रिक मर्यादाओं को दरकिनार कर असंवैधानिक उपायों का सहारा लेने लगता है। पश्चिम बंगाल में भी कुछ ऐसी ही प्रवृत्तियां देखने को मिल रही हैं, जहां सत्तारूढ़ दल के कार्यकर्ताओं पर विपक्ष को डराने, प्रशासनिक कार्यों में बाधा डालने और चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के आरोप लगते रहे हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है, तो यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है और लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के विपरीत है।

नागरिक समाज सक्रिय रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आगे नहीं आएगा, तब तक केवल प्रशासनिक उपायों से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह एक सतत प्रक्रिया है जिसमें कानून का शासन, संस्थाओं की स्वतंत्रता और नागरिकों की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति इन सभी पहलुओं पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। यदि चुनाव प्रक्रिया ही निष्पक्ष और शांतिपूर्ण नहीं रह जाती, तो लोकतंत्र का मूल उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति मतदाता का विश्वास होता है, और यदि मतदाता को यह लगने लगे कि मतदाता सूची, चुनाव प्रक्रिया या प्रशासन किसी राजनीतिक दबाव में काम कर रहा है, तो लोकतंत्र की विश्वसनीयता स्वतः कमजोर होने लगती है। इस पूरे घटनाक्रम में प्रशासनिक नाकामी का प्रश्न भी गंभीरता से सामने आता है।

किसी भी राज्य में यदि अधिकारी सुरक्षित नहीं हैं, न्यायिक अधिकारी तक बंधक बना लिए जाते हैं और पुलिस या प्रशासन समय पर प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पाता, तो यह प्रशासनिक तंत्र की कमजोरी का स्पष्ट प्रमाण है। प्रशासन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी कानून व्यवस्था बनाए रखना और सरकारी कार्यों को निर्भय वातावरण में संपन्न कराना होता है। यदि प्रशासन यह सुनिश्चित नहीं कर पा रहा है, तो इससे जनता में भय और अविश्वास दोनों बढ़ते हैं। जनता का विश्वास ही किसी सरकार की सबसे बड़ी पूंजी होता है, और जब यही विश्वास डगमगाने लगता है, तो शासन की वैधता पर भी प्रश्नचिह्न लगने लगते हैं।

राजनीतिक दलों की भूमिका भी इस पूरे परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। लोकतंत्र में राजनीतिक दल केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं होते, बल्कि वे लोकतांत्रिक मूल्यों के संवाहक भी होते हैं। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे अपने कार्यकर्ताओं को संयम, कानून के सम्मान और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करने के लिए प्रेरित करें। लेकिन जब राजनीतिक प्रतिस्पर्धा कटु संघर्ष में बदल जाती है और कार्यकर्ताओं को किसी भी तरह से राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, तो अराजकता की स्थिति उत्पन्न होती है। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए आवश्यक है कि राजनीतिक दल चुनाव को युद्ध नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक उत्सव के रूप में देखें। आज आवश्यकता इस बात की है कि पश्चिम बंगाल की घटनाओं को केवल एक राज्य की समस्या न मानकर लोकतंत्र के लिए चेतावनी के रूप में देखा जाए। यदि प्रशासनिक तंत्र कमजोर होगा, राजनीतिक दल मर्यादा नहीं रखेंगे, और जनता का विश्वास कम होता जाएगा, तो लोकतंत्र केवल कागजों तक सीमित रह जाएगा। लोकतंत्र की रक्षा केवल संविधान या न्यायालय नहीं कर सकते, इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक निष्पक्षता और जनता की जागरूकताकृतीनों का संतुलन आवश्यक है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान परिस्थितियां हमें यही संदेश देती हैं कि लोकतंत्र को केवल चुनाव से नहीं, बल्कि व्यवस्था की निष्पक्षता, कानून के शासन और नागरिक विश्वास से मजबूत बनाया जा सकता है।

इस परिप्रेक्ष्य में आवश्यक है कि राज्य सरकार, चुनाव आयोग और न्यायपालिका मिलकर ठोस कदम उठाएं। कानून व्यवस्था को सख्ती से लागू किया जाए, दोषियों के खिलाफ त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई हो और प्रशासनिक तंत्र को राजनीतिक दबाव से मुक्त रखा जाए। इसके साथ ही राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके कार्यकर्ता लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करें। निश्चित ही यह समझना होगा कि लोकतंत्र की रक्षा केवल संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति एक चेतावनी है कि यदि समय रहते सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो यह अराजकता और गहराई तक फैल सकती है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है कि हम सभी मिलकर कानून, नैतिकता और सहिष्णुता के मूल्यों को पुनः स्थापित करें। पश्चिम बंगाल आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां से वह या तो लोकतांत्रिक पुनर्जागरण की ओर बढ़ सकता है या अराजकता के गहरे गर्त में गिर सकता है। यह निर्णय न केवल राजनीतिक नेतृत्व, बल्कि पूरे समाज को मिलकर लेना होगा।

बोध कथा

सुनने की क्षमता का महत्व

एक साल जंगल में बिताने के बाद युवराज अपने राज्य को लौटना चाहता था, पर गुरु की बात को टाल भी नहीं सकता था, इसलिए वह बेमन ही जंगल की ओर बढ़ चला। कई दिन गुजर गए पर युवराज को कोई नई आवाज़ नहीं सुनाई दी। वह परेशान हो उठा। उसने निश्चय किया कि अब वह हर आवाज़ को बड़े ध्यान से सुनेगा। फिर एक सुबह उसे कुछ अनजानी सी आवाजें हल्की- हल्की सुनाई देने लगीं। इस घटना के कुछ दिनों बाद वह गुरु के पास वापस लौटा और बोला- पहले तो मुझे वही ध्वनियां सुनाई दीं जो पहले देती थीं, लेकिन एक दिन जब मैंने बहुत ध्यान से सुनना शुरू किया तो मुझे वो सुनाई देने लगा जो पहले कभी नहीं सुनाई दिया था। मुझे कलियों के खिलने की आवाज सुनाई देने लगी। मुझे धरती पर पड़ती सूर्य की किरणों, तितलियों के गीत और घांस द्वारा सुबह की ओस पीने की ध्वनियां सुनाएं देने लगीं। यह सुनकर गुरुजी खुश हो गए और मुस्कुराकर बोले- अनसुने को सुनने की क्षमता होना एक अच्छे राजा की निशानी है। क्योंकि जब कोई शासक अपने लोगों के दिल की बात सुनना सीख लेता है। बिना उनके बोले, उनकी भावनाओं को समझ लेता है, जो दर्द बयां न किया गया हो उसे समझ लेता है, अपने लोगों की अनकही शिकायतों को सुन लेता है, केवल वही अपनी प्रजा का विश्वास जीत सकता है। कुछ गलत होने पर उसे समझ सकता है और अपने नागरिकों की वास्तविक आवश्यकताओं को पूरी कर सकता है।

नजरिया

साहित्यिक पत्रकारिता के कालजयी माखन लाल चतुर्वेदी

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 8949519406

हिन्दी जगत के ख्यात और नामधारी कवि, लेखक, पत्रकार पंडित माखन लाल चतुर्वेदी का जन्म 4 अप्रैल, 1889 ई. में बावई, मध्य प्रदेश में हुआ था। वे बोलचाल की सरल भाषा और ओजपूर्ण भावनाओं के अनूठे रचनाकार थे। आजादी से पूर्व के महापुरुषों में माखन लाल चतुर्वेदी का नाम बड़े सम्मान से लिया जाता है। वे भारत में साहित्यिक पत्रकारिता के अगुवा थे। उनकी रचनाओं में देश प्रेम और कुदरत के साक्षात दिग्दर्शन होते थे। स्वतंत्रता संग्राम में सक्रीय भाग लेने के कारण कई बार जेल यंत्रणा के शिकार हुए। प्रभा और कर्मवीर जैसे प्रतिष्ठत समाचार पत्रों के संपादक के रूप में उन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ जोरदार प्रचार किया और नई पीढ़ी का आह्वान किया कि वह गुलामी की जंजीरों को तोड़ कर बाहर आए। महात्मा गाँधी द्वारा आहूत असहयोग आंदोलन में महाकोशल अंचल से पहली गिरफ्तारी देने वाले माखनलालजी ही थे। देशसेवा के लिए आजीवन रूप से समर्पित माखन लाल चतुर्वेदी लोकमान्य तिलक के संकल्प आजादी हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है से अभिभूत हो सच्चे मन से देश के प्रति आजीवन समर्पित रहे।

चाह नहीं मैं सुरबाला के गहनों में गूँथा जाऊं शीर्षक कविता उनकी कालजयी रचनाओं में से एक थी। राजनीति को त्याग कर साहित्य और पत्रकारिता को सेवा का मार्ग चुनने वाले कालजयी रचनाकार थे माखन लाल। उनके बारे में बताया जाता है कि जब भारत स्वतंत्र हुआ तो मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री पद के लिए इन्हें चुना गया। जब इन्हें इसकी सूचना दी गई तो इन्होंने कहा, शिक्षक और साहित्यकार बनने के बाद मुख्यमंत्री बना तो मेरी पदावनति होगी। माखनलालजी ने मुख्यमंत्री के पद को ठुकरा दिया।

पंडित माखनलाल चतुर्वेदी का नाम छायावाद की उन हस्तियों में से है जिनके कारण वह युग ख्यात हो गया। उस युग के कवि प्रकृति प्रेमी थे और प्रकृति को स्वयं के करीब महसूस कर लिखा करते थे। चतुर्वेदी जी की कई रचनाएं ऐसी हैं जहां उन्होंने प्रकृति के माध्यम से अपनी भावनाओं को व्यक्त किया है। उनकी रचना पुष्प की अभिलाषा और फूल की मनुहार में उन्होंने एक कुसुम के द्वारा अपनी आंतरिक संवेदनाओं को प्रकट किया है जिससे संकेत मिलता है कि वह एक राष्ट्रप्रेमी व्यक्ति होने के साथ-साथ अपनत्व से आप्लावित

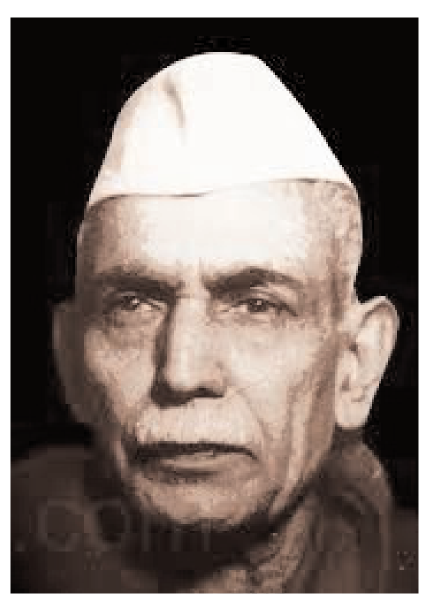

व्यक्ति थे। भोपाल का माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय उन्हीं के नाम पर स्थापित किया गया है। 1943 में हिन्दी साहित्य का सबसे बड़ा देव पुरस्कार माखनलालजी को हिम किरीटिनी पर दिया गया था। उनके काव्य संग्रह हिमतरंगिणी के लिये उन्हें 1955 में हिन्दी के साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। संभवत वे देश के पहले ऐसे साहित्यकार थे जिन्होंने राजनीति के स्थान पर पत्रकारिता को वरीयता प्रदान की।

माखन लाल चतुर्वेदी की सलाह पर डॉ.राम मनोहर लोहिया ने अंग्रेजी अखबारों की होली जलाने का विचार त्याग दिया था। यह बात 1958 की है। इस मुददे पर चतुर्वेदी जी से आशीर्वाद लेने डॉ. राम मनोहर लोहिया खंडवा गये थे। डा.लोहिया ने कहा कि दादा, लड़ाई लड़नी है। दक्षिण में जिससे पूछा, उसी ने एक ही बात कही, जो लड़ाई लड़नी है, उसके लिए हिंदी में केवल एक व्यक्ति हैं जिसका समर्थन पाना विजयश्री पाने के समान है, वह हैं माखन लाल चतुर्वेदी। डॉ. लोहिया की इस बात पर दादा ने कहा कि आते ही लड़ाई की बातें ! सन 28 के बाद मिले हो। इतने वर्षों के बाद भी तुममें कोई अंतर दिखाई नहीं देता। इस पर डॉ. लोहिया ने कहा वह लड़ाई तो अंग्रेजों से थी। यह तो घर की लड़ाई है। ज्यादा महत्वपूर्ण है। इन दिनों. दो दिग्गजों की उस ऐतिहासिक मुलाकात का विवरण सधी कलम से श्रीकांत जोशी ने लिखा है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

संवाद

तिरुरंगाडी में चुनावी माहौल के बीच कांग्रेस नेता शशि थरूर ने छात्रों के साथ साझा किए भविष्य के विचार।

‘धुरंधर-2’ एक हजार करोड़ के क्लब में शामिल

मुंबई/एजेन्सी। आदित्य धर की फिल्म ’धुरंधर 2: द रिवेंज’ ने बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़ दिए है। हर दिन फिल्म की कमाई तेजी से आगे बढ़ रही है। हालांकि फिल्म ’पुष्पा-2’ और ’बाहुबली-2’ का कलेक्शन नहीं तोड़ पाई है। यह दोनों ही फिल्में भारत में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्में हैं लेकिन उम्मीद की जा रही है कि फिल्म जल्द ही बाहुबली-2 का कलेक्शन तोड़ने में कामयाब होगी। आदित्य धर की आधिकारिक कंपनी बी62स्टूडियो ने फिल्म के दो सप्ताह के आंकड़े जारी किए हैं। जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक फिल्म ने वैश्विक स्तर पर 1501 करोड़ की कमाई कर ली है। फिल्म ने पहले हफ्ते में 690 करोड़ की कमाई की थी, लेकिन दूसरे हफ्ते फिल्म ने 961 करोड़ की कमाई कर ली है।वहीं, फिल्म का दो सप्ताह में ग्रॉस इंडिया बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 1,134 करोड़ हो गया है और फिल्म का वर्ल्ड वाइल्ड कलेक्शन 1501 करोड़ हो चुका है। फिल्म ने 9वें दिन 42 करोड़, 10वें दिन 64 करोड़, 11वें दिन 71 करोड़, 12वें दिन 26, 13वें दिन 28 करोड़, 14वें दिन 21 करोड़ और 15वें दिन 19 करोड़ का कलेक्शन किया है। ओवरसीज आंकड़े 367 करोड़ तक पहुंच चुके हैं। जारी किए गए आंकड़ों को देखकर साफ है कि फिल्म भारत में ही सबसे ज्यादा कमाई कर रही है।

त्रिवेणी कला संगम 75 वर्ष का हुआ, अनेक कलाओं का होता है मिलन

नई दिल्ली/भाषा। भरतनाट्यम नृत्यांगना सुंदरी श्रीधरणी ने जब दिल्ली के बीचोंबीच भारत का सबसे सुंदर कला केंद्र खोलने के अपने सपने को साकार करने के लिए जानेमाने वास्तुकार जोसफ एलेन स्टीन को काम सौंपा था तो उनकी बस एक ही शर्त थी कि उसमें सूरज की रोशनी छनकर आनी चाहिए। ये आजाद भारत के शुरुआती दिन थे। जैसे-जैसे नया भारत आगे बढ़ा, वैसे ही त्रिवेणी कला संगम भी आगे बढ़ा। यह बहुआयामी केंद्र इस साल 75 वर्ष का हो गया है और यह वास्तुकला, सौंदर्य और अलग-अलग कलाओं के मेलजोल की एक ऐसी जगह है जहां रोशनी हर तरफ से आती है। त्रिवेणी कला संगम यह नाम बांसुरी वादक विजय राघव राव ने दिया था, जिसका सीधा मतलब है ‘कलाओं का संगम’ यानी अपनी रोशन कक्षाओं, खुली गैलरी, हरे-भरे आंगन और एक ऐसी सोच के साथ श्रीधरणी के सपने का जीता-जागता सबूत, जो न सिर्फ़ अलग-अलग विचारों और कलाओं के मेल को बढ़ावा देती है, बल्कि उसे जरूरी भी बनाती है।

चित्रकार एम.एफ. हुसैन, तैयब मेहता और कृष्ण खन्ना; कलाकार यामिनी कृष्णमूर्ति, रवि शंकर और हरिप्रसाद चौरसिया; अभिनेता ओम पुरी, नसीरुद्दीन शाह और रोहिणी हट्टंगड़ी... ये तो बस कुछ ही नाम हैं जो दिल्ली के मंडी हाउस में स्थित इस सेंटर के जालीदार गलियारों से गुज़रे हैं। त्रिवेणी कला संगम वह जगह भी है जहां अलग-अलग पीढ़ियों के कार्यकर्ता किसी मुहिम पर चर्चा करने या नुक्कड़ नाटक की रिहर्सल करने के लिए इकट्ठा होते हैं; जहां दोस्त कॉफ़ी पर मिलते हैं; जहां कला के पारखी कोई प्रदर्शनी देखने आते हैं; और जहां संगीत प्रेमी किसी कॉन्सर्ट के लिए ऑडिटोरियम में जमा होते हैं। इसकी शुरुआत 1950 में कनॉट प्लेस के दो कमरों से हुई थी। तब से अब तक की इसकी कहानी दृढ़संकल्प, नवाचार, कलात्मक आज़ादी और वास्तुकला में नए प्रयोगों की है। त्रिवेणी कला संगम के महासचिव अमर श्रीधरणी ने ‘पीटीआई-भाषा’ से कहा, मेरी मां बहुत ही ज़िद्दी महिला थीं; वह कभी हार नहीं मानती थीं। सुंदरी को यह विचार तब आया, जब वह अल्मोड़ा में उदय शंकर से कला का प्रशिक्षण ले रही थीं। इस विचार ने तब असली रूप लेना शुरू किया, जब 1950 के दशक में दिल्ली के मुख्य आयुक्त शंकर प्रसाद, सुंदरी और उनके पति मशहूर कवि कृष्णलाल श्रीधरणी से मिलने आए और कहा कि सुंदरी जैसी महिला को कला संस्थान बनाने के लिए सरकार से ज़मीन मिलनी चाहिए।

अंबेडकर की जयंती को उनके विचारों के उत्सव के रूप में मनाएं : फडणवीस

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को डा. भीमराव अंबेडकर की जयंती को विचारों के उत्सव के रूप में मनाने का आह्वान किया और उनके विचारों एवं योगदान को समाज के सभी वर्गों तक पहुंचाने की आवश्यकता पर जोर दिया। अंबेडकर की 135वीं जयंती (14 अप्रैल) की तैयारियों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि महान नेता द्वारा दिया गया संविधान और उनकी दृष्टि आज भी देश की प्रगति का मार्गदर्शन कर रही है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से जारी बयान के अनुसार, फडणवीस ने कहा कि महान नेताओं की जयंती का आयोजन केवल औपचारिकता तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसे उनके विचारों को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का माध्यम बनाना चाहिए। उन्होंने कहा, डा. अंबेडकर द्वारा दिया गया संविधान दुनिया के सर्वश्रेष्ठ संविधानों में से एक है और इसके समावेशी सिद्धांत भारत को विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ाने में मदद कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार हर वर्ष इन आयोजनों को अधिक सार्थक और भव्य बनाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि 14 अप्रैल को चैत्यभूमि में श्रद्धांजलि देने आने वाले लाखों लोगों को ध्यान में रखते हुए गर्मी से बचाव के लिए शेड, पर्याप्त पेयजल व्यवस्था और दादर एवं आसपास के इलाकों में सुचारू यातायात प्रबंधन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने आम लोगों के लिए सूचना बोर्ड लगाने और दादर रेलवे स्टेशन से चैत्यभूमि के बीच पर्याप्त बस सेवा उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। बैठक में मौजूद सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट ने कहा कि नागरिकों में जागरूकता बढ़ाने के लिए जिला कलेक्टर कार्यालयों के माध्यम से संविधान को हर घर तक पहुंचाने की पहल की जा रही है।

रणदीप हुड्डा की मां का सिनेमा में डेब्यू, हरियाणवी फिल्म से रखा पहला कदम

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के बेहतरीन अभिनेताओं में से एक, रणदीप हुड्डा अपनी फिल्मों से फैंस का दिल जीतते आए हैं, लेकिन अब सिर्फ अभिनेता ही नहीं बल्कि उनकी मां भी सिनेमा में कदम रख चुकी हैं। रणदीप हुड्डा की मां, आशा हुड्डा, ने क्षेत्रीय सिनेमा में कदम रख दिया है, और इस बात से खुश अभिनेता ने मस्ती भरे अंदाज में मां को बधाई दी है।

रणदीप हुड्डा की मां आशा हुड्डा ने हरियाणवी फिल्म सांगी में दादी का रोल प्ले किया है। अभिनेता ने मां की फोटो शेयर कर लिखा, जब मां के रोल का टेम था, तब ना मिल्या, अब सीधा दादी का आज आपको पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित हूं मां, पूरी टीम को बहुत-बहुत बधाई।हरियाणवी फिल्म ’सांगी’ गुरुवार को हरियाणवी ओटीटी ऐप ’स्टेज’ पर रिलीज हो गई है। एक दिन पहले फिल्म का शानदार ट्रेलर भी लॉन्च किया गया। फिल्म की कहानी ऐसे कलाकार की है, जिसे डांस पसंद है और वो गांव में महिला बनकर डांस करता है। इस कला को हरियाणा में सांगी कहते हैं, जो आमतौर पर किन्नर करते हैं। कुलदीप नाम का लड़का सांगी बनकर पहचान बनाना चाहता है। इस दौरान उसे न सिर्फ अपने परिवार से बल्कि गांव वालों से भी मुकाबला करना है। कहानी एक कला को पहचान देने की मेहनत दिखाती है। गौर करने वाली बात यह भी है कि बीते कुछ महीनों पहले ही रणदीप को स्टेज ऐप का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया था। तब से लेकर अभिनेता क्षेत्रीय हरियाणवी फिल्मों का खुलकर सपोर्ट कर रहे हैं और कुछ फिल्मों में निवेश भी कर रहे हैं।

इससे पहले अभिनेता की बहन अंजलि हुड्डा ने भी हिंदी सिनेमा में डेब्यू किया था। उन्होंने अपने भाई की फिल्म ’स्वातंत्र्य वीर सावरकर’ में एक छोटा सा रोल किया था। इसी फिल्म में अंजलि ने रणदीप के किरदार के लिए वजन घटाने से लेकर बढ़ाने में मदद की थी। अभिनेता ने वीर सावरकर का जेल वाले हालातों के दिखाने के लिए 28 दिनों में 18 किलो वजन कम किया था और वे उस वक्त सिर्फ 1 समय ही खाना खाते थे।

अयोध्या पर्व

दिल्ली के आईजीएनसी में राजस्थान की उप-मुख्यमंत्री दिया कुमारी और वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में ’अयोध्या पर्व’ का भव्य उद्घाटन किया।

‘धुरंधर’ के गाने पर रश्मि देसाई ने किया कथक डांस

मुंबई/एजेन्सी

सोशल मीडिया पर इन दिनों फिल्मों के गानों पर रील्स और डांस वीडियो का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है। इस कड़ी में टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस रश्मि देसाई ने ’धुरंधर’ के गाने ’गहरा हुआ’ पर डांस वीडियो बनाया। अब उनका वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो की खास बात यह है कि इसमें रश्मि ने बैठे-बैठे ही अपनी अदाओं और एक्सप्रेशंस से सबका दिल जीत लिया। रश्मि देसाई ने इस डांस वीडियो को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया, जिसमें उनका अंदाज बेहद सादगी भरा नजर आ रहा है। उन्होंने वीडियो के साथ कैप्शन लिखा- ’देसी और ग्रेसफुल।’ वीडियो में रश्मि पारंपरिक अंदाज में नजर आ रही हैं। गाने की लाइन्स पर उनके चेहरे के एक्सप्रेशन और हाथों की नजाकत मैच कर रही हैं। उनके इस सादगी को लोग काफी पसंद कर रहे हैं। इस डांस की सबसे खास बात यह है कि रश्मि ने इसे कथक स्टाइल में पेश किया है। आमतौर पर कथक एक ऐसा नृत्य है जिसमें पैरों की थाप और घूमने वाले मूवमेंट्स अहम होते हैं लेकिन रश्मि ने इसे बैठे-बैठे ही इतने शानदार तरीके से किया कि हर कोई कमेंट्स में उनकी तारीफ कर रहा है।

एक यूजर ने लिखा, ’आपके एक्सप्रेशंस कमाल के हैं, नजर नहीं हट रही।’ दूसरे यूजर ने लिखा, ’अरिजीत सिंह के गाने पर इतना शानदार कथक, परफेक्ट कॉम्बिनेशन।’

अन्य यूजर्स ने लिखा, ’देसी वाइब्स + एलिगेंस = रश्मि देसाई।’ अब बात करें ’गहरा हुआ’ गाने की, तो यह फिल्म ’धुरंधर’ का एक सॉफ्ट ट्रैक है। इस गाने को मशहूर सिंगर अरिजीत सिंह ने अपनी आवाज दी है। वहीं गाने के बोल इरशाद कामिल ने लिखे हैं। वहीं इसका म्यूजिक शाशवत सचदेव ने तैयार किया है। बॉक्स ऑफिस पर ’धुरंधर’ को लोगों ने काफी पसंद किया था, अब इसके स्क्रील को भी दर्शक काफी पसंद रहे है। फिल्म में रणवीर सिंह का किरदार हमजा अली मजारी भारतीय खुफिया एजेंट रॉ के रूप में अपने गुप्त मिशन पर है। वह पाकिस्तान में ल्यारी से लेकर कराची तक की सत्ता में घुसपैठ करता है और धीरे-धीरे वहां के आपराधिक गिरोहों और पाकिस्तान की राजनीतिक सत्ता में अपनी जगह भी बनाता है।

हनी सिंह और बादशाह के ‘वॉल्यूम 1’ को दिल्ली हाईकोर्ट ने दिए हटाने के आदेश, बताया- महिलाओं के प्रति अपमानजनक

नई दिल्ली/एजेंन्सी

रैपर बादशाह के ’टटीरी’ और नोरा फतेही और संजय दत्त के ’सरके चुनर तेरी’ के बाद अब हनी सिंह और बादशाह के 26 साल पुराने गाने ’वॉल्यूम 1’ पर दिल्ली हाई कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की है। दिल्ली हाई कोर्ट ने गाने को सभी सोशल मीडिया और संगीत स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म से हटाने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि न्यायालय की अंतरात्मा इस गीत को देखकर झकझोर जाती है। यह गीत अत्यंत अपमानजनक और अश्लील है। दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि यह गीत महिलाओं के प्रति घोर अभद्र, अश्लील और अपमानजनक है और कोई भी सभ्य समाज इस तरह की सामग्री को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रहने की अनुमति नहीं दे सकता। साल 2000 के इस गाने को लेकर रिलीज के समय भी विवाद हुआ था, लेकिन उस वक्त बादशाह ने स्पष्टीकरण देते हुए कहा था कि उन्होंने गाने के बोल नहीं लिखे हैं, जिसके बाद हनी सिंह ने एक इवेंट में स्वीकार किया था कि गाना उन्होंने ही लिखा है।

’वॉल्यूम 1’ को हनी सिंह ने हिप-हॉप ग्रुप ’माफिया मुंडीर’ के शुरुआती दौर में गाया था, हालांकि बाद में यह ग्रुप टूट गया। इस ग्रुप में हनी सिंह के अलावा, रफ्तार, बादशाह, मनी औजला, लिल गोलू और दे स्टार जैसे कलाकार शामिल थे। बाद में सभी ने सिंगल गाने रिलीज करने का फैसला लिया था।इससे पहले हनी सिंह के कॉन्सर्ट में दिल्ली की सर्दी और लड़कियों को लेकर दिए बयान की भी खूब आलोचना हुई थी, लेकिन बाद में सिंगर ने सोशल मीडिया के जरिए माफी मांगी थी। हालांकि यह पहली बार नहीं है जब सिंगर पर अभद्रता के आरोप लगे हैं। इससे पहले उनके कमबैक सॉन्ग ’मैनिएक’ और ’मैं हूं वूमेनाइजर’ समेत कई गानों पर विवाद हो चुका है।

वहीं, सिंगर बादशाह का ’टटीरी’ सॉन्ग हाल ही में सोशल मीडिया के सभी प्लेटफॉर्म से हटाया गया है। गाने में महिलाओं के प्रति अभद्र शब्दों का इस्तेमाल किया गया था। मामले में हरियाणा महिला आयोग और राष्ट्रीय महिला आयोग ने सिंगर को समन भेजा, लेकिन सिंगर समन भेजने के बाद भी आयोग के सामने पेश नहीं हुए। बादशाह गाने के लिए सार्वजनिक तौर पर माफी भी मांग चुके हैं।

थिएटर एक आइना है, जहां लोग मुझे नहीं, अपनी संभावनाओं को देखते हैं : अनुपम खेर

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता अनुपम खेर ने फिल्मों के अलावा रंगमंच पर भी अलग पहचान बनाई है। उनका लोकप्रिय नाटक ’कुछ भी हो सकता है’ को देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। हाल ही में इस नाटक के एक शो में अनुपम खेर को दर्शकों की तरफ से स्टैंडिंग ओवेशन मिली। इस माहौल में अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया। अनुपम ने खुश होकर लिखा, मंच पर खड़ा होना और पूरे हॉल का खड़ा होकर तालियां बजाना हमेशा दिल को छू लेता है लेकिन इतने सालों के अनुभव के बाद मैंने एक बड़ी बात समझ ली है। ’कुछ भी हो सकता है’ के लिए मिली ये तालियां सिर्फ मेरे अभिनय या कहानी सुनाने के लिए नहीं हैं। ये शायद मेरी पूरी जिंदगी के लिए भी हैं। अनुपम ने आगे लिखा, मेरी मुश्किलों, मेरी असफलताओं और उन जोखिमों के लिए जो मैंने कदम उठाए और सबसे बड़ी बात उस हिम्मत व रवैए के लिए जिससे मैंने सबका सामना किया। जब लोग खड़े होकर तालियाँ बजाते हैं, तो वे सिर्फ मुझे नहीं सराह रहे होते। वे एक संभावना की सराहना कर रहे होते हैं।

अनुपम का कहना है कि अगर कोई व्यक्ति सब कुछ सहने के बावजूद मजबूती से खड़ा हो सकता है, तो शायद मैं भी कर सकता हूं। उस पल में तालियां बहुत व्यक्तिगत हो जाती हैं। वे दर्शकों के अपने साहस, सपनों और अधूरी कहानियों का जश्न बन जाती हैं।उन्होंने लिखा, तब थिएटर सिर्फ एक प्रदर्शन नहीं रह जाता, यह एक आईना बन जाता है। एक ऐसा आईना जिसमें लोग सिर्फ मुझे नहीं देखते बल्कि खुद को देखते हैं। और शायद अपने दिल से फुसफुसाते हैं- ’कुछ भी हो सकता है।’अनुपम को रंगमंच की दुनिया से बेहद प्यार है, यह उनके शो से ही पता चलता है। अभिनेता ने एक बार आईएएनएस के साथ बातचीत में थिएटर में अभिनय करने के बारे में बताया था। उन्होंने कहा था, यह मेरे अंदर के अभिनेता को जिंदा रखता है। इसके जरिए मैं अपने अभिनय को बेहतर बनाता हूं।

सीखने से शुरू हुआ सफर अब जिंदगी का अहम हिस्सा बन गया : अमिताभ बच्चन

मुंबई/एजेन्सी

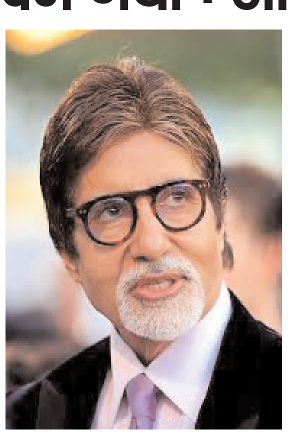

हिंदी सिनेमा के मेगास्टार अमिताभ बच्चन अपने ब्लॉग पर काफी सक्रिय रहते हैं और इसके माध्यम से अपने मन के भाव फैंस तक पहुंचाते रहते हैं। गुरुवार को उन्होंने ब्लॉग के मतलब और उसके विकास के बारे में बात की। अमिताभ ने बताया कि ब्लॉग की शुरुआत सीखने की प्रक्रिया से हुई थी, धीरे-धीरे यह उनकी जिंदगी का एक अहम हिस्सा बन गया। इसमें निरंतरता है, जो जीवन की अनिश्चितताओं के बीच भी बनी रहती है। उन्होंने अपने ब्लॉग में लिखा, हर उस चीज के लिए हमेशा एक सही समय और जगह होती है, जिसके करने, मानने और पूरा करने की जरूरत होती है।उन्होंने अपने ब्लॉग को सिर्फ एक प्लेटफॉर्म नहीं बल्कि एक खास जगह बताया। अभिनेता ने कहा कि यह उन्हें दुनिया भर के लोगों से जोड़ती है। उन्होंने लिखा, ब्लॉग हम सबको जोड़ता है। कभी-कभी यह हमें दूर ले जाता है, तो कभी हमेशा उपस्थित रहने की कोशिश करता है।

बच्चन ने आगे लिखा, लेकिन यह हमेशा आने और अपनी हाजिरी लगाने की कोशिश करता है। तो जो चीज सीखने के तौर पर शुरू हुई थी, वह अब एक सीखी हुई चीज बन गई है।अमिताभ बच्चन 80 से अधिक उम्र में भी काफी सक्रिय और संवेदनशील दिखते हैं। उनका ब्लॉग उनके व्यक्तित्व का आईना है, जहां वे बिना किसी फिल्टर के अपने विचार सभी के सामने रखते हैं। अमिताभ बच्चन का ब्लॉग उनके प्रशंसकों (जिन्हें वह एक्सटेंडड फैमिली कहते हैं) से जुड़ने का एक प्रमुख माध्यम है। अमिताभ बच्चन ने 2008 में टम्बलर ब्लॉग की शुरुआत की थी और 2025 में ब्लॉगिंग के 17 साल पूरे किए। वह अक्सर पोस्ट करते हैं। ब्लॉग में वह अपने जीवन, संघर्ष और हरिवंश राय बच्चन की कविताओं से प्रेरित होकर मानवीय अनुभवों के बारे में लिखते हैं। अभिनेता का मानना है कि ब्लॉग उन्हें सीधे अपने प्रशंसकों से जुड़ने का मौका देता है, बिना किसी दूसरे माध्यम के। यह उनके विचारों, भावनाओं और उनके जीवन के दर्शन को करीब से जानने का एक जरिया है।

फिल्म ‘भूत बंगला’ का 16 को होगा पेड प्रिव्यू

मुंबई/एजेन्सी

अक्षय कुमार की फिल्म ’धुरंधर-2’ 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और अब तक फिल्म 1400 करोड़ से ज्यादा की कमाई वर्ल्डवाइड कर चुकी है। फिल्म की रफ्तार आज भी बॉक्स ऑफिस पर बहुत तेज है और यही वजह है कि अक्षय कुमार की फिल्म ’भूत बंगला’ की रिलीज डेट को 10 अप्रैल से आगे बढ़ा दिया है। मेकर्स ने स्वीकार किया है कि फिल्म की रिलीज डेट में बदलाव ’धुरंधर-2’ की वजह से किया गया है। एकता कपूर ने फिल्म की रिलीज को लेकर सोशल मीडिया पर जानकारी दी है। पोस्टर शेयर कर एकता कपूर ने लिखा, हमारे वितरकों और प्रदर्शकों के साथ सामूहिक चर्चा के बाद, हमने भूत बंगला की नई रिलीज तिथि 16 अप्रैल तय की है, जिसका पहला शो रात को 9 बजे से शुरू होगा। उन्होंने आगे लिखा, ’धुरंधर: द रिवेंज’ का शानदार प्रदर्शन हमारे फिल्म उद्योग के लिए उत्साहजनक खबर है और प्रदर्शकों का मानना ङ्कङ्कहै कि इस बदलाव से दोनों फिल्मों को वह स्थान, ध्यान और लोकप्रियता मिलेगी जिसकी वे हकदार हैं। गौर करने वाली बात यह भी है कि भूत बंगला के मेकर्स ने न सिर्फ फिल्म की तारीख बदली है, बदली रिलीज का फॉर्मेट भी ’धुरंधर: द रिवेंज’ से कॉपी किया है। ’धुरंधर: द रिवेंज’ ने रिलीज से पहले फिल्म का प्रेड-प्रीव्यू रखा था और बंपर कमाई की थी। अब मेकर्स ने इसी नक्शे कदम पर चलते हुए 16 अप्रैल को रात 9 बजे फिल्म का प्रेड-प्रीव्यू रखा है। अब यह कहना गलत नहीं होगा कि सिर्फ सिनेमा में नए आयाम गढ़ने के साथ ’धुरंधर: द रिवेंज’ ने रिलीज के फॉर्मेट को भी बदलकर रख दिया है। इससे पहले साउथ सुपरस्टार यश की फिल्म टॉक्सिक भी मार्च में सिनेमाघरों में रिलीज होनी थी, लेकिन धुरंधर और मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध के हालातों को देखते हुए फिल्म को कुछ महीने पोस्टपोन कर दिया गया था।

गौसेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर। कोयंबटूर बीजेस चैप्टर द्वारा पूर्णिमा के अवसर पर भगवान महावीर गौशाला में गायों को लड्डु खिलाने का कार्यक्रम रखा गया। श्रीवसंत मुनिजी की दो महीने की मौन साधना के बाद पहली मंगलिक के कार्यक्रम में भी अनेक बीजेस कार्यकर्त्ता सम्मलित हुए। इस मौके पर राजेश पोखरणा बीजेस तमिलनाडु मंत्री, धर्मेन्द्र श्रीश्रीमाल पूर्व अध्यक्ष कोयम्बतूर शाखा, राजेश मुथा रोशन श्रीश्रीमाल, तेजश मेहता, अमित नाहटा, भाविन पगारिया, अक्षत श्रीश्रीमाल, सचित नाहटा, गौशाला मे गायों को लड्डू खिलाया।

सैकड़ों तपस्वियों का पार्णोत्सव आदिनाथ सेवा केन्द्र में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां सुलै स्थित आदिनाथ सेवा केंद्र में साध्वीश्री मणिप्रभाश्रीजी म. सा. आदि विशाल श्रमणीवंद की निश्रा में मांगलिक प्रवचन हुआ। उसी में लाभार्थी प्रमोद चोरड़िया परिवार के मनीषा चोरड़िया का सम्मान डॉ निर्मला बरडिया, विजयलक्ष्मी लुंकड, पुष्पा गोलेछा द्वारा शाल ओढाकर माला पहनाकर सम्मान किया गया। हर समय लाभार्थी चोरड़िया परिवार के साथ चवदस में तपस्वियों का सम्मान के सह लाभार्थी सिद्धार्थ लोढा का भी ट्रस्ट द्वारा अनुमोदन किया गया। गुरु भगवंत ने लाभार्थी परिवार को करीब 7000 से ज्यादा आयंबिल नवपद ओली में होने पर उनको विशेष आशीर्वाद दिया और धर्म आराधना में आगे बढ़ने हेतु मंगल कामना की। ट्रस्ट के मंत्री द्वारा ट्रस्ट में चल रहे सभी सेवा कार्य की संक्षिप्त रूप रेखा बताई गई। गुरुभगवंत ने ट्रस्ट के उपाध्यक्ष डॉ मनोज जैन को उनकी 86 ओली के पारणा एवं डॉ निर्मला को 63 ओली का पारणा हेतु विशेष आशीर्वाद दिया।

संपूर्ण पारणा विशिष्ट सम्मान आदि के लाभार्थी हुलाशमल प्रमोद मनीषा चोरड़िया परिवार का ट्रस्ट द्वारा आभार व्यक्त किया गया। साथ ही सेवा देने वाले सुंदरी आयंबिल मंडल का कि भी ट्रस्ट द्वारा अनुमोदन करते हु, सम्मान किया गया। 5 दीक्षार्थियों का भी ट्रस्ट द्वारा सम्मान किया। ट्रस्ट द्वारा 7000 से अधिक आयंबिल 9 दिन में निर्विघ्नता पूर्वक पूर्ण होने पर चेन्नई के विभिन्न क्षेत्रों से आए हुए सभी 700 ओली के तपस्वियों का आभार व्यक्त किया।

साधारण सभा में व्यापारियों की एकता पर जोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। व्यासरपाड़ी एमकेबी नगर पॉन ब्रोकर्स एण्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन की साधारण सभा सीरवी समाज बडेर में आयोजित की गई। जिसमें कुल 85 सदस्यों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष स्वामी तेजानंद एवं प्रदेश युवा मीडिया सचिव महेशपुरी गोस्वामी उपस्थित रहे। सभा की शुरुआत माताजी की आरती के साथ की गई। इसके पश्चात अध्यक्ष लालचंद मेहता ने सभी अतिथियों एवं सदस्यों का स्वागत किया, वहीं सचिव जितेंद्र मेहता ने अभिवादन प्रस्तुत किया। कोषाध्यक्ष खेताराम कुमावत द्वारा वार्षिक रिपोर्ट पेश कर संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी गई। मुख्य अतिथि स्वामी तेजानंद ने अपने संबोधन में व्यापारियों से एकता बनाए रखने एवं संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। वहीं महेशपूरी गोस्वामी ने हाल ही में शुरू किए गए केवाईसी एप्प की विस्तृत जानकारी देते हुए इसके लाभों से अवगत कराया।

सभा के दौरान सदस्यों के साथ खुली चर्चा कर उनके सुझाव भी लिए गए। अंत में वर्ष 2026-28 के लिए नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। नवगठित कार्यकारिणी में अध्यक्ष के रूप में लालचंद मेहता, सचिव जितेंद्र मेहता, कोषाध्यक्ष खेताराम कुमावत तथा समिति सदस्य के रूप में बाबूलाल कुमावत, धीरज राठौड़, आकाश सोनिगरा, मुकेश कुमावत, गेनाराम सीरवी, कन्यालाल चोयल, चौताराम सीरवी, प्रेमाराम कुमावत, राजू कुमावत, भरत सीरवी एवं जितेंद्र पालगोता को नियुक्त किया गया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ सभा का समापन हुआ।

टीएवीआर प्रकिया से महाधमनी वॉल्व प्रत्यारोपण में मिली सफलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां एसआरएम प्राइम अस्पताल के डॉक्टरों ने देश में पहली बार मानक पैर की धमनी के मार्ग के बजाय दाहिने कंधे की धमनी के माध्यम से ट्रांसकैथेटर महाधमनी वॉल्व प्रत्यारोपण में सफलता प्राप्त की है। महाधमनी स्टेनोसिस जैसे गंभीर रोग से पीड़ित मरीज जिनमें कैल्शियम जमाव के कारण हृदय वॉल्व संकुचित हो गया था। जिससे हृदय में रक्त प्रवाह प्रतिबंधित हो जाता था। अस्पताल के डाक्टरों ने टीएवीआर/ टीएवीआई प्रक्रिया का प्रयोग कर हृदय की ओपन सर्जरी की आवश्यकता के बिना रोग ग्रस्त महाधमनी वॉल्व को बदल दिया। इस प्रक्रिया में डॉक्टर एक पतली ट्यूब के माध्यम से कृत्रिम वॉल्व को रक्त वाहिका में प्रवेश कराते है जिससे रक्त रक्त का बहाव सामान्य बना रहे। आम प्रक्रियाओं में यह कार्य पैर की धमनी मार्ग से किया जाता है।

इस जटिल प्रक्रिया का नेतृत्व इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी के सलाहकार डॉ. बालमुरुगन एस. ने किया। इसके अतिरिक्त आंतरिक चिकित्सा एवं मधुमेह विज्ञान के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. ए. थॉमस जॉर्ज, कार्डियोथोरेसिक एवं वैस्कुलर सर्जरी के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. पी. बालासुब्रमणियन, प्रक्रिया के निरीक्षक डॉ. एबी गोपालमुरुगन, कार्डियक एनेस्थेटिस्ट और क्रिटिकल केयर इंटेंसिविस्ट ने भी इस पूरी प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस प्रक्रिया के बारे में बताते हुए डॉ. बालमुरुगन ने कहा कि टीएवीआर जैसी आधुनिक चिकित्सा पद्धतियाँ सुरक्षित और न्यूनतम चीर-फाड़ वाले विकल्प प्रदान करती हैं, क्योंकि इनमें शल्य चिकित्सा का आघात कम होता है। उन्होंने कहा कि हमारी टीम ने, सर्वोत्तम परिणाम के प्रति पूर्ण समर्पण के साथ भारत में अपनी तरह की पहली ट्रांसकैथेटर महाधमनी वॉल्व प्रत्यारोपण प्रक्रिया को सफलतापूर्वक अंजाम दिया और एक वरिष्ठ नागरिक की जान बचाई जिसके लिए वह अपनी टीम को धन्यवाद देते है।

चैत्र पूर्णिमा पक्खी पर्व स्वाध्याय साधना पूर्वक मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहूकारपेट के बेसिन वाटर वर्क्स स्ट्रीट पर स्थित स्वाध्याय भवन में चैत्र शुक्ल पूर्णिमा पर्व के पावन पवनको स्वाध्याय दिवस के रुप में मनाया गया। वरिष्ठ स्वाध्यायी वीरेन्द्र कांकरिया ने प्रश्न व्याकरण सूत्र पर आश्रव द्वार के अंतर्गत मृषावाद द्वार पर मार्मिक विवेचन किया व झूठ बोलने के भयंकर दुष्परिणाम के बारे में बताते हुए कहा हर जीव को निश्चित ही झूठ बोलने से बचना चाहिए। स्वाध्यायी ने विभिन्न आगमों में वर्णित सूत्र,संदेशों व प्रेरणा भरी गाथाओं का उल्लेख करते हुए सुन्दर शैली में विवेचन किया। उपस्थित जिज्ञासु स्वाध्यायीगण द्वारा रखी जिज्ञासाओं का समाधान हुआ। जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ तमिलनाडु के पूर्व कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया ने जैन संकल्प सूत्र करवाया। जे कमल चोरडिया ने दैनिक चिन्तन सूत्र व महावीरचन्द बागमार ने सामूहिक नियम के संग प्रत्याख्यान करवाए। इस प्रसंग पर उपवास आदि तपस्या के प्रत्याख्यान हुए। जैन रत्न श्राविका मण्डल की अध्यक्ष शशि कांकरिया ने मंगल पाठ किया। पूर्णिमा पक्खी कार्यक्रम में बाबू धनपतराज सुराणा पदमचन्द दीपक योगेश श्रीश्रीमाल, युवक परिषद् के शाखा प्रमुख संदीप ओस्तवाल, गौतमचन्द मुणोत, रूपराज सेठिया, हितेन कोठारी, इंदरचंद कर्णावट, लीलमचन्द ज्ञानचन्द बागमार, उच्छबराज गांग आदि की सामायिक परिवेश में उपस्थिति रही। पूर्णिमा पाक्षिक पर्व पर वरिष्ठ स्वाध्यायी बादलचन्द बागमार ने सायंकालीन प्रतिक्रमण करवाया। गुरु सुखसाता पाठ गौतमचन्द मुणोत ने करवाया। प्रतिक्रमण व सामूहिक वन्दन के पश्चात स्वाध्यायीगण ने चोवीसी की सामूहिक स्तुति करते हुए पूर्णिमा पक्खी पर्व पर क्षमायाचना की।

भगवान महावीर स्वामी के जन्मकल्याणक पर छात्रवृत्ति का वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। गुरु ब्रज मधुकर श्रावक-श्राविका समिति तमिलनाडु की ओर से भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव एवं बहुश्रुत पंडित युवाचार्य मधुकर पू मिश्रीमलजी म. सा. के युवाचार्य चादर दिवस एवं उप प्रवर्तक विनय मुनिजी भीम म.सा. प्रथम स्मृति दिवस के उपलक्ष में छात्रवृत्ति वितरण एवं रॉलिंग ट्राफी का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम के सहयोगी मंजु सागरमल लोढा, सज्जन राज कमला मेहता एवं राजकुमार वैद रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एजी जैन विद्यालय के सचिव दलजीत सिंह एवं निर्मला डढ्ढा, महावीर एवं वर्षा बोहरा रहे। जैन भवन साहुकारपेट के प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष अनोपचंद भिडक्चा, कमला एस मेहता, महामन्त्री ललीता सुराणा, कोषाध्यक्ष शोभा कांकलिया एवं सदस्यों द्वारा छात्रवृत्ति का वितरण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महिला समिति द्वारा मंगलाचरण, अतिथि स्वागत गीत, भगवान महावीर जन्मोत्सव गीत एवं गुरू गुणगान के साथ किया गया। संस्था की अध्यक्ष ने अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्था की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए प्रभु महावीर एवं गुरू महिमा को दर्शाते हुये एक साथ बैठकर जाप करने एवं राने का अव्हान किया।

ऑल ओवर स्कूल हिन्दी टॉपर ऑल राउन्डर ट्राफी एजी जैन स्कूल के दसवीं के छात्र सागर कुमार को, बादलचंद सायर चंद चोरडिया स्कूल से दसवीं के छात्र एस राजमाली, मांगी कंवर अनराज चोरडिया स्कूल से निखीता कंवर, कोला सरस्वती हायर सेकेन्डरी स्कूल लेहर टिबरेवाल, जैन मिशन स्कूल से भाग्यश्री राजपुरोहित को प्रदान किया गया। मुख्य अतिथियों ने संस्था के सदस्यों को इस नेक कार्य हेतु धन्यवाद दिया। इस अवसर पर सुमेरचंद चोरडिया, देवराज जैन, कमला ओस्तवाल, प्रिया अबानी, विमला, आरती, विजया, संगीता मंजु, सौमन, सूरज आदि कई सदस्य उपस्थिति रहे।

मद्रास विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। लगभग 170वर्ष पुराना मद्रास विश्वविद्यालय जैसे इंजीनियरिंग, चिकित्सा, कृषि, तकनीक आदि की शिक्षा के क्षेत्रों में अग्रणी रहा है वैसे ही भारतीय भाषाओं में अनुसंधान में भी आगे है। शोध के साथ-साथ प्रयोजनमूलक हिंदी और अनुवाद में डिप्लोमा और सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों के लिए हिंदी विभाग जाना जाता है। आज के समय में ऑनलाइन शिक्षण के द्वारा लोगों की हिंदी सीखने की जरूरत की भी पूर्ति यह कर सकता है। हिंदी विभाग मद्रास विश्वविद्यालय की विरासत का गौरवशाली हिस्सा है। मद्रास विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ रीता जॉन ने हिंदी विभाग के प्लेटिनम जुबली के अवसर पर आयोजित समारोह के अवसर पर अपने वक्तव्य में यह कहा और विभाग के सुनहरे भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। हिंदी विभाग के 75वें वर्ष प्रवेश के उपलक्ष्य में प्लेटिनम जुबली एंडोमेंट स्थापित करने के लिए आवश्यक पत्र एवं दस्तावेज डा चिट्टि अन्नपूर्णा, पूर्वछात्र संघ की सचिव डॉ सुनीता जाजोदिया एवं अन्य सदस्यों द्वारा रजिस्ट्रार को सौंपा गया। लेखिका एवं मद्रास उच्च न्यायालय के समक्ष केंद्र सरकार और यूपीएससी के वरिष्ठ पैनल अधिवक्ता श्रीमती सुषमा मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर पर उपस्थित थीं। उन्होंने कहा कि भाषा के प्रति प्रेम और गौरव हिंदी के कवियों ने जन जन में जगाया था। यही चेतना क्रांति की मशाल बनी और हमने आजादी पाई। उन्होंने पिता पर लिखी अपनी एक कविता भी प्रस्तुत की जिसे दर्शकों की खूब वाहवाही मिली।

अमेरिकन कॉलेज मदुरई के सेवानिवृत हिंदी विभागाध्यक्ष और हिंदी विभाग के पूर्वछात्र संघ के संरक्षक डॉ एमवी सुब्बुरामन ने अपने संबोधन में अपने गुरू को याद करते हुए अनुभव साझा किए। विभागाध्यक्ष डॉक्टर अन्नपूर्णा ने अपने संबोधन में 4 अप्रैल 1952 में स्थापित हिंदी विभाग के पहले विभागाध्यक्ष डॉ शंकर राजू नायडू एस और उनके बाद के सभी विभागाध्यक्षों की सेवा और समर्पण के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। हिंदी विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ पी सरस्वती और अतिथि प्रवक्ता डॉ सुनीता जाजोदिया ने भी इस अवसर पर अपने उद्गार प्रकट किये। विभागाध्यक्ष डॉ चिट्टि अन्नपूर्णा ने सबका स्वागत कर मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि को शाल एवं भेंट द्वारा सम्मानित किया। उन्होंने पूर्वछात्रों एवं हिंदी विभाग से बरसों से जुड़े सभी शुभेच्छुओं के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

तिरुपुर में हनुमान जन्मोत्सव मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपुर। मां दुर्गा भक्त मंडल के तत्वावधान मे तिरुपुर सेवा समिति में दुर्गा भक्त मंडल द्वारा श्री हनुमान जन्मोत्सव मनाया। पण्डित सुनिल दाधीच द्वारा गणेश वन्दना के साथ बालाजी महाराज कि ज्योत के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। मंच संचालक नवीन कुमार शर्मा एवं नन्दकिशोर पारीक ने किया।

उसके बाद दिल्ली से आई भजन सम्राट गिनी कोर ने अपनी मधुर वाणी से बालाजी महाराज के भजनों कि प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में काफी श्रद्धालु भक्त आये।

रात को ग्यारह बजे महाआरती एवं महाप्रसाद के कार्यक्रम समाप्त हुआ।

मां दुर्गा भक्त मण्डल की ओर से अध्यक्ष अशोक शर्मा, उपाध्यक्ष राजकुमार शर्मा, मुलचंद शर्मा, सुभाष गुप्ता, सत्यनारायण अग्रवाल, नवीन शर्मा, महावीर प्रसाद शर्मा, अनिल शर्मा, सागर कश्यप, मनोज व्यास, रवि शर्मा, हिलाल , भागीरथ गुलेरिया, नन्दकिशोर पारीक, मदन जोशी, सुनील जोशी, लीलाधर शर्मा, टिकम गुप्ता आदि सदस्य एवं गणमान्य उपस्थित थे।

'संकल्प' में चैत्र मास ओलीजी की आराधना सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री संकल्प जैन श्वेताम्बर संघ केएलपी के तत्वावधान में, पूज्य साध्वी श्री मणिप्रभा श्रीजी म.सा. की निश्रा में, संवत् 2082 शाश्वती चैत्र मास ओलीजी के पावन अवसर पर नौ दिवसीय आयंबिल तप आराधना अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ सम्पन्न हुई। इस दौरान कुल 2856 आयंबिल तप की प्रभावशाली आराधना संपन्न हुई, जो संघ की धार्मिक सक्रियता एवं साधना भावना का प्रतीक है।

इस पावन आयोजन पर सभी तपस्वियों को पारणा कराने का लाभ राजेन्द्रकुमार रीखबचन्द दांतेवाडिया (मांडवला)निवासी ने लिया। प्रत्येक दिवस आयंबिल के लाभार्थी शामिल हैं। कार्यक्रम की सफलता में आयंबिल कमेटी का विशेष योगदान रहा, जिनकी उत्कृष्ट सेवा एवं समर्पण भाव की सराहना की गई। साथ ही, विभिन्न सेवाभावी मंडलों ने भी सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

श्री संकल्प जैन संघ-केएलपी द्वारा सभी सहयोगियों, कार्यकर्ताओं एवं सेवाभावी व्यक्तियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

मन की पवित्रता में साधना है तो प्रपंचों में पतन : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। शुक्रवार को जैन मरुधर संघ के तत्वावधान में प्रवीण सुराणा परिवार द्वारा आयोजित नवपद आयंबिल की नौ दिवसीय साधना की पूर्णाहुति के अवसर पर मरुधर शांति भवन में साधकों को मार्गदर्शन देते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि साधु, साध्वी, श्रावक और श्राविका इन चारों के पवित्र संगठन को जैन परंपरा में धर्मसंघ कहा जाता है। केवलज्ञान की प्राप्ति के बाद तीर्थंकर ही आत्मार्थी मुमुक्षुओं को दीक्षा देकर इस चतुर्विध संघीय व्यवस्था की स्थापना करते हैं।

धर्मसंघ सर्वथा सद्विचार और सदाचार से संपन्न होता है। पारिभाषिक शब्दावली में इसे धर्मतीर्थ कहा जाता है, यानी धर्म का वह पवित्र संगठन,

जो तीर्थ की तरह पूजनीय भी हैं और उस पर उतरने का आधार भी। आध्यात्मिक उन्नति के लिए जैन दर्शन की यह सामाजिक व्यवस्था है। तीर्थंकरों द्वारा प्रदत्त इस व्यवस्था में किसी जाति, वर्ग, वर्ण, क्षेत्र आदि का कोई भेदभाव नहीं होता। यही कारण है भगवान महावीरस्वामी के काल में और उसके बाद सैकड़ों वर्षों तक सभी वर्गों और वर्णों के लोग जैनधर्म के अनुयायी होते थे। आज की तरह मात्र वैश्य जैन ही इस धर्म के अनुयायी नहीं होते थे। भगवान महावीर के धर्मसंघ की ऐतिहासिक परंपरा में क्षत्रियों और ब्राह्मणों का सर्वाधिक योगदान रहा हैं। जैनाचार्य ने कहा कि अध्यात्म के पथ पर महत्व जाति, वर्ग, वर्ण, क्षेत्र या भाषा का नहीं, मनुष्य की शुद्ध मनःस्थिति और जीवन की पवित्रता का है। जो कषायों का उपशमन करते हुए पवित्र जीवन जीता है, उसी की वास्तविक अर्थों में आध्यात्मिक उन्नति होती है। इससे विपरीत जो जाती, वर्ग, वर्ण, क्षेत्र, धन, प्रपंच, क्रोध, अभिमान, मोह, माया, लोभ आदि में अनुरक्त रहता है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.